सूर्योदय : 06.26 बजे

सूर्यास्त : 05.34 बजे

शुक्रवार, 11 नवम्बर 2022

वर्ष-2-अंक 315

मूल्य 2 पृष्ठ 8

e-mail: aknewstv2@gmail.com

RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक

अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

खास-खबर

हर तरह से निवेश के लिए अनुकूल है राजस्थानः गहलोत

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश को निवेश के लिए पूरी तरह अनुकूल बताते हुए निवेशकों से यहां अधिक से अधिक निवेश करने का आह्वान किया। गहलोत बृहस्पतिवार को यहां स्टोन उद्योग की प्रदर्शनी इंडिया स्टोन मार्ट का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान में वे सारी सुविधाएं हैं, माहौल है. यहां श्रमिक अशांति नहीं है और कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक है। मैं समझता हूं कि राजस्थान सब तरह से निवेश के लिए मुफीद है। गहलोत ने इस प्रदर्शनी में भाग ले रहे बाहरी निवेशकों से राज्य में निवेश का आह्वान करते हुए कहा,जो बाहर से हमारे साथी आए हैं, देश या विदेश से उन सबका मैं आह्वान करूंगा कि आप यहां (निवेश के लिए) आइए। (निवेशक) आ भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तर्ज पर राजस्थान औद्योगिक सुरक्षा बल का गठन कर रही है। यह बजट घोषणा है।

मालदीव में आग से नौ भारतीय समेत दस की मौत

माले। मालदीव की राजधानी माले में विदेशी कामगारों की बस्ती में लगी आग से नौ भारतीयों समेत दस लोगों की मृत्यु हो गयी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। समाचार प्रसारक अल जजीरा ने बताया कि हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में विख्यात घनी आबादी वाले माले में एक इमारत के भूतल में स्थित गैरेज में आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मालदीव की राजधानी माले में विदेशी कामगारों की बस्ती में लगी आग से नौ भारतीयों समेत दस लोगों की मृत्यु हो गयी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। आग पर काबू पाने में करीब चार घंटे तक कड़ी मशक्कत की गयी। अधिकारियों ने बताया कि इमारत की ऊपरी मंजिल से 10 शव बरामद किये गये हैं। दमकल सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ह्यहमें 10 शव मिले हैं। आग बुझाने में उन्हें लगभग चार घंटे लगे ह्ल समाचार एजेंसी ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि मृतकों में नौ भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने ट्वीट कर आग की घटना की जांच का आदेश दिये गये हैं।

कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी नहीं, क्या 'मां-बेटे' के अलावा कुछ नजर आता हैः अमित शाह

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भाजपा के समक्ष सत्ता बचानी एक बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भाजपा ने राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। 12 नवंबर को हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। आज प्रचार के आखिरी दिन हिमाचल प्रदेश में नेताओं की ओर से जमकर प्रचार किया गया था। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हिमाचल प्रदेश में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा और कहा कि वह एक लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है। कांग्रेस परिवारिक पार्टी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गौर से देखने पर क्या मां-बेटे के अलावा कुछ नजर आता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी मां-बेटा है। अमित शाह का निशाना सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ ही हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनके बेटे

विक्रमादित्य सिंह पर था।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को दूरबीन लेकर बरीकी से देखिए तो मां-बेटे के अलावा कुछ और नजर आता है क्या? दिल्ली में भी मां-बेटा है और हिमाचल में मां-बेटा है। कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है ये परिवारवाद से जन्मी पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में जगह पाने के लिए राजा-रानी के घर में जन्म लेना पड़ता है। कांग्रेस पार्टी में आम युवाओं के लिए कोई जगह नहीं है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल शासन किया, गरीब के घर में न शौचालय बनवा पाए और न ही गैस सिलेंडर पहुंचा पाए। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने 10 करोड़ से ज्यादा गरीबों के घर में शौचालय बनवाया, 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को घर देने का काम किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र में 10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार चली, आए दिन पाकिस्तान के आलिया, मालिया, जमालिया घुस जाते थे और हमारे जवानों के सिर काट कर ले जाते थे लेकिन सोनिया-मनमोहन जी कुछ नहीं बोलते थे। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी जी की सरकार आई, पाकिस्तान ने उरी और पुलवामा पर हमला किया, लेकिन वो भूल गए कि अब कांग्रेस की सरकार नहीं है, भाजपा की सरकार है। 10 दिन के अंदर पाकिस्तान के घर में घुस कर, हमारे जवानों ने एयरस्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक करके आतंकवादियों के परखच्चे उड़ा दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने घोषणा पत्र में कॉमन सिविल कोड का वादा किया है। हिमाचल में भाजपा की सरकार बनते ही कॉमन सिविल कोड लेकर आएंगे। सेब की पैकेजिंग सामग्री पर लगने वाले जीएसटी को 12% तक सीमित किया

संजय राऊत की जमानत पर कोर्ट का फैसला देश के लिए दिशादर्शकः उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि संजय राऊत की जमानत के बारे में कोर्ट का निर्णय देश के लिए दिशादर्शक है। इस निर्णय ने यह साबित कर दिया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई केंद्र सरकार के इशारे पर की जा रही है। जो काम पुलिस का है, वहां जबरन ईडी को भेजा जा रहा है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि क्या ईडी बंद कर देना चाहिए, यह बात सोचने का वक्त आ गया है। शिवसेना नेता और राज्य सभा सदस्य गुरुवार को शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिलने बांद्रा स्थित उनके आवास पर गए थे। इस अवसर पर उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों को संबोधित किया। इस मौके पर शिवसेना युवा नेता आदित्य ठाकरे और संजय राऊत मौजूद थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि संजय राऊत लड़ने वाले नेता हैं। उन्हें धमकी दी गई थी लेकिन उन्होंने शिवसेना छोड़ने की बजाय लड़ना पसंद किया, इसी वजह से उन्हें जेल जाना पड़ा। इसके आगे भी संजय राऊत को झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है। उद्धव ठाकरे ने कल का कोर्ट का निर्णय जो शिवसेना छोड़कर गए हैं, उनके लिए भी दिशादर्शक है। देश में कानून व्यवस्था अभी भी जीवित है। कर नहीं तो डर नहीं। उन्होंने कहा कि कितनी भी साजिश हो, शिवसेना झुकेगी नहीं । कोर्ट पर लोगों का भरोसा बढ़ गया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोर्ट के फैसले को जिस तरह ईडी ने मानने से इनकार कर दिया, वह आश्चर्यजनक है।

हिमाचल प्रदेश के लोग कांग्रेस पर अपना वोट बर्बाद न करेंः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश के लोगों से कांग्रेस पर अपना वोट बर्बाद न करने की अपील करते

हुए आरोप लगाया कि अगर वह केंद्र में सत्ता में होती तो भारत की सीमाएं सुरक्षित नहीं होतीं, ना ही अनुच्छेद 370 निरस्त होता और ना ही अयोध्या में राम मंदिर बनता। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कुल्लू, मंडी और ऊना जिलों में चुनावी रैलियों में आदित्यनाथ ने दावा किया कि कांग्रेस सत्ता में होती तो देश नरेंद्र मोदी नीत सरकार द्वारा कोविड संकट के कुशल प्रबंधन से चूक जाता और करोड़ों भारतीयों को मुफ्त टीके नहीं मिले होते।

हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान होना है, जहां कांग्रेस सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है। आदित्यनाथ ने पूछा कि क्या हिमाचल प्रदेश में हर घर नल योजना लागू होती? क्या कांग्रेस कोविड के दौरान मुफ्त टीके और मुफ्त राशन दे पाती? योगी ने कहा, जब कांग्रेस यह सब नहीं कर सकती और न ही आपके स्वास्थ्य की देखभाल कर सकती और न ही अच्छा शिक्षण संस्थान दे सकती है या यहां एम्स या आईआईटी स्थापित कर सकती है...तो कांग्रेस पर वोट क्यों बर्बाद करें।

आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य आधा से ज्यादा हो चुका है और वर्ष 2023 के अंत तक भव्य मंदिर तैयार होने के साथ 500 साल का इंतजार खत्म हो जाएगा। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक और मजबूत नेतृत्व को दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के लोगों से कहा कि ह्यह्यकांग्रेस का वैसे ही बोरिया-बिस्तर बांधकर भेजें जैसे उत्तर प्रदेश ने इस साल की शुरूआत में विधानसभा चुनावों में किया था।

आदित्यनाथ ने उपस्थित लोगों से पूछा, ह्यह्यउत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ और 403 विधानसभा सीट हैं। इसमें से कांग्रेस के पास कितनी सीट हैं?ह्लह्ल जवाब आया ह्यदो ह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यजब उत्तर प्रदेश जैसे राज्य ने उनका बोरिया बिस्तर बांध दिया, तो हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।ह्लह्ल आदित्यनाथ ने कहा, ह्यह्यनरेंद्र मोदी नीत सरकार में देश विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। वैश्विक मंच पर भारत का सम्मान बढ़ रहा है और दुनिया की कोई भी समस्या बिना उसकी भागीदारी के हल नहीं हो सकती है।

आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रिटेन को पछाड़कर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को ह्यह्यबहादुरों की भूमिह्लह्ल बताते हुए सराहना की क्योंकि राज्य के कई युवा सशस्त्र बलों में हैं।

हिमाचल प्रदेश में चुनावी प्रचार का शोर थमा

68 सीटों पर शनिवार को होंगे चुनाव, भाजपा-कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार का शोर थम गया है। शनिवार को 68 सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही आएंगे। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जेपी नड्डा सहित कई दिग्गज नेताओं ने मतदाताओं से अपनी पार्टी के पक्ष में वोट डालने की अपील की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश में ताबड़तोड़ दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। हिमाचल प्रदेश के 68 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 413 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

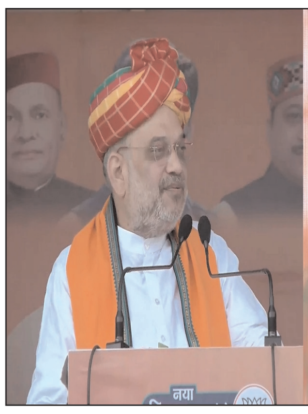

इस चुनाव में इस बार 55,07,261 मतदाता वोट डाल सकेंगे। हिमाचल प्रदेश में इस बार जहां भाजपा पिछले 5 सालों के विकास का दावा कर रही है। साथ ही साथ भाजपा यह भी बताने की कोशिश कर रही है कि हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ही इसे विकास के रास्ते पर ले जा सकती है। वहीं, कांग्रेस बेरोजगारी और पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। भाजपा की ओर से लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं ने हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं ने भाजपा के लिए वोट मांगे। वहीं कांग्रेस की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी वाड्रा, भूपेश बघेल जैसे नेताओं ने चुनाव प्रचार किया।

आज भाजपा के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि अगर हिमाचल प्रदेश में कोई गलत सरकार सत्ता में आती है तो राज्य की प्रगति थम जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार को फिर से लाने का समय है। जब एक इंजन काम करना बंद करता है तो हिमाचल कमजोर पड़ जाता है। अगर अच्छे माली को नहीं चुना गया तो बगीचा बर्बाद हो जाएगा।

वहीं, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता बरकरार रहती है, तो जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया जायेगा। महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली के अपने वादे को पर जोर दिया और कहा कि यह कोई ह्यजुमलाह्न नहीं है जिसे पूरा नहीं किया जा सके।

मेरी गिरफ्तारी राजनीतिक थी, ऐसी 'बदले की सियासत' कभी नहीं देखीः संजय राउत

मुंबई। धनशोधन मामले में जेल से रिहाई के एक दिन बाद शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक थी और इस तरह की ह्यबदले की भावना वाली सियासतह्न देश में पहले कभी नहीं देखी गयी। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बुधवार को राउत को जमानत देते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी ह्यअवैधह्न थी। उन्हें मुंबई की आर्थर रोड जेल से बुधवार को 100 दिन बाद रिहा किया गया।

उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि वह जल्द पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात करेंगे। राकांपा उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना की सहयोगी है। राउत ने कहा कि वह आने वाले दिनों में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने भविष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की भी बात कही, लेकिन इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

उन्होंने कहा, मैं (विनायक दामोदर) सावरकर और (बाल गंगाधर) तिलक की तरह एकांत कारावास में था। मेरी गिरफ्तारी राजनीतिक थी लेकिन मैंने अच्छे उद्देश्य से समय बिताया। मेरी पार्टी, मेरे परिवार और मुझे झेलना पड़ा। हमने सहा है। मेरे परिवार का बहुत नुकसान हुआ। जिंदगी में और राजनीति में यह होता है। राउत ने कहा, लेकिन देश ने कभी इस तरह की राजनीति नहीं देखी। हमारा देश 150 साल तक विदेशी शासन के अधीन रहा, लेकिन हमने देश में इस तरह का राजनीतिक प्रतिशोध नहीं देखा। यहां तक कि दुश्मनों के साथ भी अच्छा बर्ताव होता था।

दोषसिद्धि पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी खारिज

रामपुर। नफरती भाषण देने के मामले में निजली अदालत के फैसले पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी रामपुर की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने रामपुर की सेशन कोर्ट को आज ही आजम खां की दोषसिद्धि के अपील के स्टे प्रार्थनापत्र पर सुनवाई करने और फैसला देने के आदेश दिए थे।इस संबंध में कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब रामपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय एमपी एमएलए सेशन कोर्ट (न्यायाधीश आलोक दुबे की कोर्ट में) आजम खां के मामले पर सेशन कोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। आजम खां की तरफ से पूर्व अपर महाधिवक्ता इमरान उल्लाह बहस की। उन्होंने पूर्व में दिए गए फैसले का हवाला दिया। सपा नेता आजम खां को 27 अक्तूबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने नफरती भाषण देने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद और छह हजार रुपये जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई थी।

बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार के बिना आज के युग में जीवन कठिन : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार के बिना आज के युग में जीवन कठिन है। इंफ्रास्ट्रक्चर आसान है, लेकिन इनोवेशन मुश्किल है। धनखड़ गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में ह्यनए भारत के निर्माण के लिए आधारभूत संरचना, सूचना और नवाचारह्न पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस सम्मेलन में बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को कवर किया जाएगा, क्योंकि इन तीनों के बिना आज के युग में काम चलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि आज भारत पहले से कहीं ज्यादा तेज गति से उभर रहा है। आज भारत को वह स्थान मिल रहा है, जो सदियों पहले था। विश्व में भारतीयता और भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है। जिन चीजों की कभी कल्पना भी नहीं की गई थी, वे आज हकीकत बन रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने तब भी मजबूती दिखाई, जब कोविड महामारी के दौरान लंदन और यूरोप सहित कई देशों में स्वास्थ्य ढांचा विफल हो गया था। देश की 200 करोड़ आबादी का टीकाकरण करना कोई आसान काम नहीं था, जिसे भारत सरकार ने साकार किया है।

उन्होंने मोदी के नेतृत्व में तकनीकी विकास का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग बिल जमा करने से लेकर अनेकों सेवाओं के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़े रहकर समय बर्बाद करते थे, लेकिन सरकार की दूरगामी सोच के साथ डिजिटल इंडिया पहल ने सभी ऐसी सेवाओं को डिजिटल करके सुगम बना दिया है।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा हर चीज का मूल है, लेकिन कभी-कभी यह दिखाई नहीं देता है। इसे देश में तकनीकी रूप से मजबूत किया गया है। आज वंदे भारत ट्रेनों ने यात्रा के समय को बहुत कम कर दिया है।

चुनाव आयोग ने गुजरात और हिमालच के एग्जिट पोल पर 5 दिसंबर तक लगाई रोक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद एक्जिट पोल के प्रसारण व प्रकाशन पर 5 दिसंबर शाम 5.30 बजे तक रोक लगा दी है। गुरुवार को चुनाव आयोग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा 1 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग उक्त धारा की उप धारा 2 के उपबंधों के दृष्टिगत 12 नवंबर शनिवार को सुबह 8 बजे से 5 दिसंबर सोमवार शाम 5.30 बजे तक हिमाचल प्रदेश और गुजरात की विधानसभाओं के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट या इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार पर प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर को हिमाचल प्रदेश में मतदान होना है। वहीं, गुजरात में अंतिम चरण के अंतिम चरण के लिए 5 दिसंबर को मतदान होना है।

चिंतन

बदलाव की उम्मीद

जब कभी इस पद पर कोई नया व्यक्ति आता है तो उससे नई उम्मीदें लगाई जाती हैं, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से भी लगाई जा रही हैं। शपथ लेने के पहले और उसके बाद उन्होंने कई बातें कही हैं और कुछ संकेत दिए हैं जिनसे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे क्या कुछ नया कर सकते हैं। जहां तक एक प्रधान न्यायाधीश के कुछ कर पाने का सवाल है, तो हाल का अनुभव यह है कि इस पद पर ज्यादातर न्यायाधीशों का कार्यकाल ज्यादा नहीं रहा। लेकिन न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के पास भरे पूरे दो साल हैं। इसलिए उम्मीद लगाई जा सकती है कि वे जो कुछ करना चाहेंगे, उसे कर पाएंगे। शपथ लेने के पहले उन्होंने काफी कुछ कहा जिससे उनकी प्राथमिकताओं का अंदाजा लगता है। इसके अलावा उनकी पृष्ठमूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी। प्रधान न्यायाधीश की कही एक और बात से यह संकेत भी मिलता है कि उनकी विचार व्यवस्था के केंद्र में देश का नागरिक होगा। बहुत संभव है कि उनके नेतृत्व में भारतीय न्याय व्यवस्था को अब हम सामान्य नागरिकों के हित में कुछ उदार होते हुए देखें। यह उम्मीद इस आधार पर भी लगाई जा सकती है कि कार्यभार संभालने के पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ महात्मा गांधी को नमन करने गए। महात्मा गांधी ने कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह एक गुंजाइश यह बन सकती है कि कठोर दंड की बजाय अब उदारता के साथ अपराधियों के सुधार के कुछ प्रयोग होते दिखें। न्यायपालिका में समयानुकूल एक और सुधार की उम्मीद भी लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का भी जिक्र किया है। इस सिलसिले में गौर करने की बात यह है कि उन्होंने न्यायतंत्र में भी समयानुकूल प्रशिक्षण की जरूरत की तरफ इशारा किया है। अगर न्याय कार्य में प्रबंधन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का संकेत मिला है तो एक उम्मीद यह भी लगाई जा सकती है कि न्यायालय में प्रशासनिक कार्यों में प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ेगा। हो सकता है कि अब अदालतों में प्रशिक्षित प्रबंधकों की नियुक्ति का कार्य आगे बढ़ता दिखाई दे। बेशक इससे अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में बहुत मदद मिलेगी। जहां तक न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की न्यायिक और अकादमिक पृष्ठभूमि का पहलू है तो यह पहले से ही माना जाता है कि वे न्याय दर्शन के विद्वान हैं, न्याय सिद्धांत के एक संजीदा अध्येता हैं। इस आधार पर बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में हमें कुछ ऐसे फैसले देखने को मिलें जो नजीर बन जाएं। खासतौर पर मानवाधिकारों या नागरिक अधिकारों के जटिल मामलों में न्यायोचित उदारता बढ़ने की भी उम्मीद लगाई जा सकती है। सकारात्मक बदलाव की इतनी उम्मीदें लगाई जा रही हैं तो जल्द ही हमें यह भी देखने को मिल सकता है कि सामान्य नागरिकों के हित के प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायलय में अब स्वत संज्ञान के मामले बढ़ते दिखाई दें।

दुनिया मेरे आगे

शांति की खातिर

हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है जब भारत ने रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता की वकालत की हो। युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत इस बात पर जोर देता आया है कि दोनों देशों को बातचीत करनी चाहिए और कूटनीतिक समाधान के जरिए मामला सुलझाना चाहिए। लेकिन विडंबना यह है कि जंग के मैदान में कोई किसी की सुनता दिख नहीं रहा। जहां रूस पूरी ताकत के साथ यूक्रेन को सबक सिखाने पर तुला है, वहीं अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं और उसे हर तरह की मदद मुहैया करवा रहे हैं। इससे यूक्रेन का भी मनोबल बढ़ा हुआ है। हालांकि बीच-बीच में ऐसे संकेत भी मिलते दिखे कि दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता बन सकता है। लेकिन परमाणु हमलों के इस्तेमाल की रूस की धमकियों और पश्चिमी देशों की राजनीति से ऐसी उम्मीदों पर पानी फिरता रहा। दोनों देशों के बीच जंग चलते नौ महीने हो चुके हैं। इसलिए यह सवाल हर क्षण महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है कि जंग को रुकवाया कैसे जाए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मास्को में अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात में एक बार फिर यही बात दोहराई कि यह वक्त युद्ध का नहीं है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन जंग रोकने की अपील करते हुए यही बात कही थी। इसमें तो कोई संदेह नहीं कि युद्ध की वजह से यूक्रेन तो तबाह हो ही चुका है, रूस की हालत भी खराब होती जा रही है। लेकिन इससे भी बड़ा संकट यह है कि इस युद्ध की वजह से दुनिया के कई देश आर्थिक संकट में फंस गए हैं। रूस यूरोप के ज्यादातर देशों को तेल और प्राकृतिक गैस देता है। इसके अलावा यूक्रेन और रूस दोनों ही गेहूं के बड़े निर्यातक हैं। इसलिए हर कोई अब इस कोशिश में है कि जंग को रुकवाया जाए। लेकिन रास्ता इतना आसान लग नहीं रहा। रूस के साथ भारत के रिश्ते दुनिया से छिपे नहीं हैं। दशकों से रूस भारत के हर मामले में संबंधों का निर्वाह करता आया है और भारत ने भी उसे वही मान-सम्मान दिया है। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद अमेरिका ने रूस की आलोचना करने, उसके खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में मतदान करने और उससे तेल नहीं खरीदने जैसी बातों को लेकर भारत पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर तटस्थता की नीति अपनाई। अभी भी मास्को में अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत के बाद विदेश मंत्री ने यही दोहराया कि अपने नागरिकों को किफायती दरों पर तेल मुहैया करवाना सरकार का मौलिक कर्तव्य है और इसके लिए भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। भारत का यह रुख अमेरिका के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं है। भारत चाहता है कि किसी भी तरह से रूस और यूक्रेन बातचीत की मेज पर आएं और उन आशंकाओं को दूर करें जिनसे लग रहा है कि यह जंग कहीं तीसरे विश्वयुद्ध का रूप धारण न कर ले। इसीलिए उसने रूस को वार्ता का सुझाव दिया है। अब देखना यह है कि रूस का क्या रुख रहता है।

सुनक के प्रधानमंत्री बनने के मायने

दुनिया के कई देशों में भारतीय मूल के लोग प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे पदों पर पहुंचे हैं। फीजी में महेंद्र सिंह भारतीय मूल के प्रधानमंत्री चुने गए थे जो मूलतः हरियाणा के रहने वाले थे। लेकिन उन्हें इसलिए हटना पड़ा क्योंकि वे फीजी के मूल नागरिकों के साथ समरस नहीं हो सके थे। मारीशस जैसे देशों में तो अधिकांश मतदाता अब भारतीय मूल के ही हैं। सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब भी भारतीय मूल की हैं। उनके पिता भारतीय थे। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो के पिता का जन्म गोवा में हुआ था। मारीशस के वर्तमान राष्ट्रपति भारतीय मूल के हैं

ब्रिटेन के शासक चार्ल्स तृतीय ने पिछले दिनों ब्रिटेन के सत्तावन वें प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक को पद की शपथ दिलाई। सुनक कंजरवेटिव पार्टी के एक ही संसदीय कालखंड के तीसरे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें न केवल अपने आपको सिद्ध करना है, बल्कि आगामी संसदीय चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी को फिर से जीत दिलाने का दायित्व भी निभाना है। पिछले चुनाव के बाद बोरिस जानसन प्रधानमंत्री चुने गए थे, लेकिन कोरोना काल में उनकी दावतों ने उन्हें ब्रिटिश समाज में खलनायक बना दिया था। ब्रिटिश अर्थव्यवस्था भी खस्ताहाल हो चुकी थी और इन सब कारणों की वजह से बोरिस जानसन को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ा था। उनके बाद लिज ट्रस देश की प्रधानमंत्री चुनी गईं। जब उनका चयन हो रहा था, तब भी ऋषि सुनक प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बराबरी से बने हुए थे। हालांकि वे उस समय पार्टी का बहुमत हासिल नहीं कर पाए थे।

लिज ट्रस के चयन के समय भी ब्रिटेन के समक्ष जो आर्थिक चुनौतियां थीं, वे गंभीर थीं। दुनिया के मीडिया में ये आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं कि ब्रिटेन के सम्मुख जो आर्थिक संकट है, उससे मुक्ति पाना कठिन होगा। ऐसे में ट्रस ज्यादा समय तक नहीं टिक सकतीं। वैश्विक मीडिया का आकलन सही निकला और मात्र सैंतालीस दिन में ही उन्हें पद छोड़ देना पड़ा। ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने का यह चुनौतीपूर्ण दायित्व अब ऋषि सुनक के कंधों पर है। सुनक का परिवार पुराने भारत के गुजरांवाला का है। उनके दादा गुजरांवाला से अफ्रीका चले गए थे और बाद में ऋषि सुनक के पिता ब्रिटेन चले गए और वहीं बस गए। सुनक का जन्म ब्रिटेन में ही हुआ। सुनक के प्रधानमंत्री बनने से भारत के लोगों में खुशी होना स्वाभाविक भी है क्योंकि वे भारतीय मूल के हैं। भले अब वे ब्रिटिश के नागरिक हों, पर आम भारतीय जनमानस उन्हें भारत का ही मान रहा है। कुछ लोग इसलिए भी उत्साहित हैं कि वे भारतीय मूल के तो हैं ही, साथ ही हिंदू भी हैं, हिंदू रीति-रिवाजों को मानते हैं। भारतीय मीडिया के एक हिस्से ने सनातनी हिंदू लिख कर कुछ ऐसा उत्साह प्रकट कर दिया जैसे वे ब्रिटेन के हिंदू शासक बन गए हों।

हालांकि ऐसे लोग भूल जाते हैं कि ब्रिटेन में भारतीयों की स्वीकार्यता के पीछे कारण धर्म नहीं, बल्कि सबसे महत्त्वपूर्ण और एकमात्र कारण महात्मा गांधी हैं, जिन्होंने अपने अहिंसा और प्रेम से, अपने विचार और चिंतन से आम ब्रिटिशों को अपना मित्र बनाया था। ये लोग भूल जाते हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जो आम चुनाव हुए थे, उनमें चर्चिल जिन्होंने महात्मा गांधी को नंगा फकीर कह कर अपमानित किया था।

चर्चिल भारतीयों को नेतृत्व लायक नहीं मानते थे। उनकी पार्टी चुनाव में हार गई थी और जिस पार्टी ने उपनिवेशों को आजाद करने की घोषणा की थी, वह चुन कर आई थी। इन चुनाव परिणामों का यही एक संदेश था कि आम नागरिक के मन में भारतीयों के लिए द्वेष नहीं रहा है। इसका बड़ा कारण गांधी की स्वीकार्यता थी जिन्होंने ब्रिटिश नागरिकों के मध्य विभिन्न मुद्दों को

उठाया और उपनिवेशवाद की मानसिकता को बहुत हद तक बदला था। ब्रिटेन में गांधी जी की स्वीकार्यता को इससे भी समझा जाना चाहिए कि कई वर्ष पूर्व ब्रिटेन की संसद के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा लगाई गई और वह भी ठीक चर्चिल की प्रतिमा के पास में। इसका संदेश यही है कि ब्रिटिश समाज चर्चिल को द्वितीय विश्वयुद्ध का विजेता मानता है, पर साथ ही महात्मा गांधी को उनके अहिंसा, सादगी और मानवीय मूल्यों के कारण अपना आदर्श भी मानता है।

दुनिया के कई देशों में भारतीय मूल के लोग प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे पदों पर पहुंचे हैं। फीजी में महेंद्र सिंह भारतीय मूल के प्रधानमंत्री चुने गए थे जो मूलतः हरियाणा के रहने वाले थे। लेकिन उन्हें इसलिए हटना पड़ा क्योंकि वे फीजी के मूल नागरिकों के साथ समरस नहीं हो सके थे। मारीशस जैसे देशों में तो अधिकांश मतदाता अब भारतीय मूल के ही हैं। सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब भी भारतीय मूल की हैं। उनके पिता भारतीय थे। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो के पिता का जन्म गोवा में हुआ था। मारीशस के वर्तमान राष्ट्रपति भारतीय मूल के हैं। वहां के प्रधानमंत्री भी भारत से गए हुए हैं। सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के दादा बिहार से वहां गए थे। गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव की जड़ें उत्तर प्रदेश में हैं। सेशल्स के राष्ट्रपति राम कलवान के पुरखे बिहार के थे। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। इन सबसे यही निष्कर्ष निकलता है कि जो भारतीय विदेशों में जाकर बसे हैं, वे उन देशों में वहां के मूल निवासियों के साथ इतने घुल मिल गए कि वहां के मूल निवासियों ने उन्हें स्वीकार कर लिया। भारतीय मीडिया या जो लोग ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने को इसलिए सुखद मान रहे हैं क्योंकि वे सनातनी हिंदू हैं, तो इसे उचित कहना अनुचित ही होगा। अगर यह मजहबी धारणा ब्रिटेन में फैलेगी तो क्या इन लोगों की सफलता के रास्ते में कांटे खड़े नहीं होंगे? हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमने ब्रिटेन को जीता नहीं है, बल्कि ब्रिटिश नागरिकों ने जाति, जन्म या धर्म को देखे बगैर योग्यता को कसौटी मान कर ऋषि सुनक को बनाया है। एक अखबार ने तो यहां तक छाप दिया कि ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री चर्चिल ने कहा था कि भारतीय नेतृत्व नहीं कर सकता।

पं. मदन मोहन मालवीय: हिन्दी पत्रकारिता के उन्नायक

हिन्दी पत्रकारिता के पितृ पुरुष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता, विद्यार्थियों के मध्य लोकप्रिय शिक्षक, उच्चकोटि के विद्वान एवं राजनीतिज्ञ, प्रसिद्ध वकील, प्रभावी वक्ता महामना मदनमोहन मालवीय का नाम और उनके सिद्धांत भारतीय संस्कृति व इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता को आदर्शों की पुण्यभूमि पर सींच कर उसे राष्ट्र एवं समाज की उन्नति हेतु एक माध्यम बताया। उन्होंने कभी भी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने आदर्शों एवं कर्तव्यों से समझौता नहीं किया। सन 1887 में उन्हें ह्यहिन्दोस्थानह्न समाचार-पत्र के संपादक पद हेतु निमंत्रण मिला। यह निमंत्रण स्वयं राजा रामपाल सिंह ने दिया था। सन 1886 में कोलकाता की कांग्रेस में पंडितजी का एक बहुत ही ओजस्वी भाषण हुआ। इसमें उन्होंने अंग्रेजी भाषा में दिए व्याख्यान में कहा- ह्लएक राष्ट्र की आत्मा का हनन और उसके जीवन को नष्ट करने से अधिक और कोई अपराध नहीं हो सकता। हमारा देश इसके लिए ब्रिटिश सरकार को कभी क्षमा नहीं कर सकता कि उसने एक वीर जाति को भेड़-बकरियों की तरह डरपोक बना दिया है ह्व इसी व्याख्यान से राजा रामपाल सिंह बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने पंडितजी को ह्यहिन्दोस्थानह्न के लिए निमंत्रण भिजवाया।

राजा रामपाल सिंह यह जानते थे कि उस समय पंडितजी को साठ रुपए मासिक वेतन मिलता है। परंतु वे पंडितजी की बुद्धिमता एवं पत्रकारिता कौशल से परिचित थे अतः उन्होंने उसी से प्रभावित होकर उन्हें कालाकांकर से प्रकाशित होने वाले इस पत्र के संपादक का प्रस्ताव भेजा। राजाजी ने पंडितजी को दो सौ रुपए मासिक वेतन का प्रस्ताव दिया और उन्हें लगा कि इतने वेतन से वे सहर्ष तैयार हो जाएंगे। राजाजी का प्रस्ताव अपने मूल्यों व आदर्शों से समझौता न करने वाले पंडितजी ने आसानी से स्वीकार नहीं किया। चूंकि पंडितजी सदैव सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले संस्कारवान व्यक्ति थे और राजाजी विलासितापूर्ण जीवन जाने वाले थे इसलिए वे इस निमंत्रण को स्वीकारने में संकोच कर रहे थे। चूंकि राजाजी इंग्लैंड से अध्ययन कर के आये थे अतः उनकी आधुनिक व विलासी जीवन शैली पंडितजी की सनातनी जीवन शैली से किस कदर मेल खाती यह सोचकर वे उनका आग्रह स्वीकारने में संकोच कर रहे थे।

आज लोग पैसा व पद के प्रलोभन में आकर कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं परंतु यही पैसा व पद उन्हें उनके आदर्शों से विचलित नहीं कर पाया। बाद में बहुत सोच-विचार कर उन्होंने राजाजी के सामने दो शर्तें रखी और कहा कि यदि वे इन शर्तों को स्वीकार लेते हैं तो वे ह्यहिन्दोस्थानह्न का संपादकत्व करने हेतु तैयार हो जाएंगे। पहली शर्त थी कि राजाजी उनके कार्य में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा दूसरी यह कि जब भी वे नशे की हालत में होंगे उन्हें मिलने नहीं बुलाएंगे। जब राजाजी ने इन दोनों शर्तों को सहर्ष स्वीकार कर लिया तो उन्होंने ह्यहिन्दोस्थानह्न का संपादकीय भार स्वीकार कर लिया।

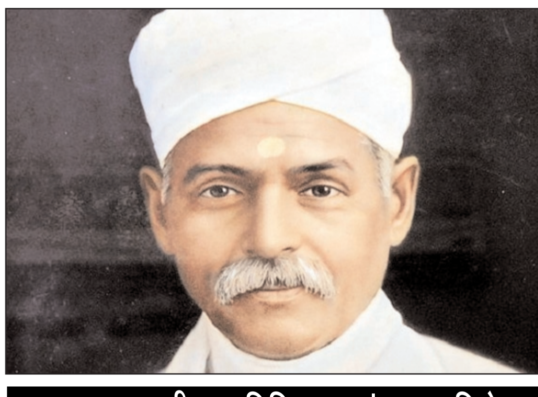

महामना की पुण्यतिथि 12 नवंबर पर विशेष

जुलाई 1887 में उन्होंने अपने शिक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया और ह्यहिन्दोस्थानह्न समाचार-पत्र संभाल लिया। महामना ने अपनी ओजस्वी कलम और तीक्ष्ण पत्रकारिता से ह्यहिन्दोस्थानह्न को नई लोकप्रियता और ऊँचाइयां दीं। उन्होंने तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों पर अपनी कलम चलाई। उनके द्वारा लिखे लेख व संपादकीय बहुत लोकप्रिय हुए। उन्होंने हिन्दोस्थान में अनेक प्रयोग किए जिनमें से एक था ग्रामीण समाज की समस्याओं को स्थान देना। उन्होंने गांवों की समस्याओं एवं गाँवों के समाचारों को हिन्दोस्थान में स्थान दिया जो बाद में आगे चलकर हिन्दी समाचार-पत्रों का महत्वपूर्ण अंग बना। 'हिन्दोस्थान' के माध्यम से देश व समाज की सेवा का जो बीड़ा उन्होंने उठाया उसे लगातार अपने लेखों के माध्यम से आगे बढ़ाया। उन्होंने अपनी पत्रकारिता के द्वारा समाज में जागृति फैलाई। उनकी समाजहितैषी, जनहितैषी लेखनी ने उन्हें सम्पूर्ण हिन्दुस्तान में बहुत लोकप्रियता दिलाई।

'हिन्दोस्थान' के माध्यम से उन्होंने हिंदी पत्रकारिता में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया। मालवीयजी की लेखनी से ह्यहिन्दोस्थानह्न चमक उठा। उनकी सभी विषयों पर अच्छी पकड़ थी। भाषा उनके विचारों की अनुगामिनी रही। जो लोग उनकी आलोचना करते वे उन्हें भी पत्र में स्थान देते। उनकी निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा, उन्हें औरों से अलग मुकाम प्रदान करती। उन्होंने इस बात का सदैव ध्यान रखा कि उन पर किसी दल विशेष या सम्प्रदाय या विचारधारा विशेष का हितैषी होने का चस्पा न लगे। वे स्वयं लेखों का संपादन व संशोधन बहुत सावधानी से करते थे। लेख का प्रूफ आने के बाद स्वयं मिलान कर संशोधन करते थे।

उनके लिए पत्रकारिता एक बड़ी जिम्मेदारी थी न कि आजीविका या व्यवसाय का माध्यम। यह उनके लिए देश सेवा का माध्यम थी न कि धन पाने का। ढाई साल तक अपनी तीक्ष्ण पत्रकारिता के द्वारा हिन्दोस्थान को उन्नति के सोपान पर पहुंचाने के बाद उन्होंने उसे छोड़ दिया। छोड़ने का कारण उनकी शर्त थी जो राजाजी ने तोड़ दी थी। एक दिन राजाजी ने किसी विषय पर परामर्श हेतु उन्हें बुलाया उस समय वे नशे में थे। महामना ने उन्हें अपनी शर्त याद दिलाई और कहा कि अब वे और वहां नहीं रुक सकते क्योंकि राजाजी ने अपनी शर्त का उल्लंघन किया है। बाद में राजा साहब ने उन्हें बहुत मनाने की रोकने की कोशिश की परंतु वे अपने निश्चय पर डटे रहे।

हिन्दोस्थान छोड़ने के बाद वे कालाकांकर से प्रयाग आ गए और अंग्रेजी पत्र इंडियन ओपिनियन का कार्य संभाल लिया। कुछ समय बाद इंडियन ओपिनियन का एडवोकेट में विलय हो गया। विलय के पश्चात भी वे एडवोकेट में काम करते रहे। इसी बीच सन 1891 में उन्होंने एलएलबी की डिग्री प्राप्त की व जिला न्यायालय में प्रैक्टिस करने लगे। सन 1893 में उन्हें उच्च न्यायालय में वकालत करने का अवसर मिला। इस दौरान भी वे अपने लेखन के माध्यम से समाचार-पत्रों से जुड़े रहे। कुछ वर्ष उपरांत उन्होंने सन 1907 में अपने स्वयं के प्रयासों के बल पर ह्यअभ्युदयह्न का उदय किया। यह वसंत पंचमी का दिन था जब अभ्युदय प्रारंभ हुआ। यह साप्ताहिक पत्र था।

खुदरा ऋण से गुलजार होते बाजार के साथ बढ़ती चुनौतियां

देश में कोरोना के बाद अब जिस तरह बाजार में तेजी देखी जा रही है और जिस तरह बैंकों से खुदरा ऋणों के वितरण में तेजी आई है वह निश्चित रूप से उत्साहजनक है। इससे बाजार में नए जोश का संचार हुआ है तो अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। देश के आर्थिक क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना है। देखा जाए तो खुदरा ऋण क्षेत्र में मुख्यतः वाहन, आवास, उपभोक्ता व पर्सनल लोन सेगमेंट आता है। बैंकों के कर्ज वितरण में बढ़ोतरी भले ही शुभ संकेत माना जा रहा हो पर अनुत्पादक कार्यों के लिए ऋण वितरण में बढ़ोतरी चिंताजनक भी है। याद करें कुछ साल पहले अमेरिका की सारी अर्थव्यवस्था आवास ऋणों के चलते गंभीर संकट का सामना कर चुकी है।

बाजार इसलिए उत्साहित है कि कोरोना के बाद बैंकों से ऋण की मांग बढ़ी है तो आसानी से उपलब्ध कर्ज के चलते बाजार गुलजार रहे हैं। वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है और बदलाव का ट्रेंड यह देखा गया है कि अब लक्जरियस या यों कहें कि यूएसवी या एमएसवी गाड़ियां लोगों की पसंद बनती जा रही हैं। छोटी गाड़ियों या यों कहें कि मध्यम वर्ग की बजटीय चौपहिया वाहनों की मांग में कमी आई है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बावजूद लोग बैंकों से कर्जा लेकर वस्तुओं की खरीद से किसी तरह का परहेज नहीं कर रहे हैं। कहा जाए तो सही मायने में ऋणं कृत्वा, घृतम् पीवेत का युग अभी आया है। बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार खुदरा कर्जों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत ने फिक्की और भारतीय बैंक संघ की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा भी है कि हालिया दिनों में हाई फ्रिक्वेंसी वाले संकेतकों के अनुसार निजी खपत, खासकर शहरी मांग में अच्छी खासी रही है। इससे साफ संकेत है कि बैंक इसलिए उत्साहित हैं कि कर्ज पोर्टफोलियो में सुधार का रुख आ रहा है पर बैंक इन ऋणों की वसूली को लेकर भी गंभीर चिंता में है।

बैंकों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि सितंबर, 21 की तुलना में सितंबर, 22 में चाहे उपभोक्ता सामान के लिए हो, फिक्स डिपोजिट पर हो, शेयर बाण्ड पर हो, हाउसिंग सेक्टर में हो, शिक्षा क्षेत्र में हो, आभूषण ऋण हो, क्रेडिट कार्ड बकाया हो या पर्सनल लोन हो सभी सेक्टर में ऋण वितरण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर बाजार पर तो पड़ता है पर यह भी साफ हो जाना चाहिए कि कर्ज के बोझ तले दबे लोगों से लोन की ईएमआई प्राप्त करना जोखमपूर्ण भी हो सकता है।

दरअसल आज हर व्यक्ति अच्छी वस्तुएं और लक्जरियस वस्तुएं खरीदना चाहता है। यही कारण है कि अब गावों व छोटे कस्बों में भी एयर कण्डीशनर आम होता जा रहा है, भले ही एक घर में एक एसी ही हो। सरकारी कार्यालयों की खिड़कियों में जिस तरह से कूलरों की कतार दिखती थी वह भी अब लगभग समाप्ति की और है और कूलरों से अधिक संख्या में एसी ही दिखाई देने लगे हैं। यही हाल शहरों में घरों में देखने को मिल जाता है। एंड्रॉयड मोबाइल तो चार सदस्यों के परिवार में छह से सात तक मिल जाएं तो कोई बड़ी बात नहीं। यहां तक कि मजदूर तक के पास मोबाइल फोन मिल जाएगा। इसमें कोई बुराई भी नहीं बल्कि अच्छी बात माना जा सकता है पर चिंता की बात जो है वो यह कि व्यक्ति अब सुविधाभोगी अधिक होता जा रहा है। गरीब व मध्यम वर्ग अब सुविधाओं पर अधिक और खाने-पीने पर कम देखने लगा है। हालांकि हालात में सुधार तो साफ दिखाई देने लगा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि उधार या कर्ज कहीं से भी लिया जाएं वह तभी तक ठीक रहता है जब तक उसकी ईएमआई या किश्त का समय पर भुगतान होता रहे। एक किश्त भी चूकी कि संकट का दौर शुरू हो जाता है। दूसरी यह कि पर्सनल लोन व इस तरह के अन्य ऋणों की ब्याज व पेनाल्टी की दरें भी अधिक होती है। एक बार पटरी से उतरते ही मुश्किलें शुरू हो जाती है तो उसे पटरी पर लाना जोखिम भरा हो जाता है। सरकारी नौकरी वाला तो फिर भी पटरी पर लाने में सफल हो सकता है पर निजी या असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले के लिए परेशानी अधिक हो जाती है। बैंकों के लिए भी इस तरह के ऋणों की वसूली थोड़ी मुश्किल भरी हो जाती है।

हालांकि अर्थव्यवस्था के लिए इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि रहन-सहन का स्तर बेहतर हो। लोगों के पास अपना मकान, अपनी गाड़ी, अपनी सुविधा के संसाधन हों। बैंकों तक सहज पहुंच और ऋण सुविधा भी अच्छी बात है।

अब ऋण लेने वालों और ऋण दाता संस्थाओं दोनों का ही दायित्व हो जाता है कि वे ऋण की किश्तों की समय पर होने वाले फायदों को समझें। दोनों ही पक्षों का हित इससे जुड़ा है। समय पर ऋण चुकाने से डिफाल्टर नहीं होना पड़ेगा तो बैंकों को भी ऋणी को समय पर किश्त भरने के लिए मोटिवेट करना होगा। क्योंकि यह सेक्टर अनुत्पादक है और इस सेक्टर में ऋण से आय में बढ़ोतरी नहीं होने वाली है। ऐसे में इस सेक्टर में ऋण की किश्त की चूक गंभीर संकट का सबब बन सकती है। ऐसे में सतर्कता व जागरूकता की अधिक आवश्यकता है। अमेरिका में हाउसिंग लोन की किश्तें चुकता नहीं होने से वहां के बैंक गंभीर संकट के दौर से गुजर चुके हैं। अन्य कई देशों में भी हालात ऐसे हो चुके हैं। हमें ऐसे हालात से दो चार नहीं होना है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दुर्भाग्य : सांसद ने रचाया महारास और शहीदों के परिजन मांग रहे हैं वर्षो से इंसाफ

जवाहर बाग में सांसद द्वारा महारास की प्रस्तुति तब सफल होती जब शहीदों को मिल गया होता इंसाफ

अमर ख्याल ब्यूरो

मथुरा। जानी मानी अभिनेत्री और ड्रीम गर्ल के नाम से मशहूर अदाकारा मथुरा जनपद की दूसरी बार निर्वाचित सांसद द्वारा मथुरा में चल रहे बृजरज महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम में जवाहर बाग में सांसद द्वारा श्री कृष्ण के महारास लीला का मंचन किया गया जो बेहत प्रशंसनीय और उम्दा प्रस्तुति थी लेकिन अगर यह प्रस्तुति तब दी गई होती जब जवाहर बाग कांड में दोषी राजनेता भ्रष्ट अधिकारी अपने अंजाम पर पहुंच गए होते और शहीद एसपी वा एसओ के परिजनों की रूह को सुकून मिला होता तो ये कार्यक्रम कुछ अलग ही आनंद देता।

विदित हो कि वर्ष दो बार सोलह में जवाहर बाग पर एक तथाकथित राम वृक्षयादव नामक व्यक्ति ने अपनी मंडली के साथ जवाहर बाग पर कब्जा कर लिया था और जनपद में बाजार में उपलब्ध सामग्री को न कुछ मूल्य में बेच कर समानांतर सरकार चला रहा था और उसके पास हर वो सामग्री उपलब्ध थी जिससे मथुरा जनपद का विभाजन कर अलग ही राज्य या शहर स्थापित किया जा सके और तत्कालीन सरकार खामोशी से देखती रही तब एक अधिवक्ता सामने आते हैं जिनका नाम विजय पाल सिंह तोमर है उन्होंने आगे आकर माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में याचिका दायर कर जवाहर बाग को खाली कराने की मांग की तो उच्च न्यायालय ने जवाहर बाग को खाली कराने हेतु प्रशासन को आदेश जारी कर दिए लेकिन तत्काली एस एस पी मथुरा राकेश सिंह और जिलाधिकारी मथुरा ने सरकार के दबाव में उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर दिया लेकिन विजय पाल सिंह तोमर ने हार नहीं मानी और अदालत के आदेशों की अवमानना की याचिका दाखिल कर दी तो माननीय उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए सीघ्र जवाहर बाग को खाली कराने और जवाब प्रस्तुत करने की सिमावधि तय कर दी और उच्चाधिकारियों ने दायित्व सौंपा एसपी सिटी मुकुल दुवेदी को कि हर हाल में जवाहर बाग खाली कराना है

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मुकुल दुवेदी जैसा एसपी जनपद मथुरा को न कभी मिला न शायद भविष्य में मिलेगा उन्होंने जो उनको जानते थे पहचानते थे उन्होंने बताया कि मुकुल दुवेदी ने पहले ही कह दिया था कि ये सरकारी सिस्टम है और मेरी बलि चढ़ाएगा उनके अंतिम शब्दों में बहुत कुछ रहस्य छिपे थे किसी को कुछ पता नहीं था और दिनांक 6 जून 2016 की शाम सरकार और प्रशासन ने फरमान जारी किया जाओ और जवाहर बाग को खाली कराओ और आदेश मिलते ही एसपी मुकुल दुवेदी पलटन के साथ पहुंच गए और उनके साथ पलटन में तत्कालीन एसओ फरह संतोष यादव भी मौजूद थे और जब उक्त तथाकथित रामवृक्ष यादव और उनकी फौज से आमना सामना हुआ तो तत्कालीन एसएसपी राजेश सिंह के अनुयाई या कर्तव्यहीन पुलिस कर्मी मौके से भाग निकले और मुकुल दुवेदी वा एसओ फरह संतोष यादव शहीद हो गए लेकिन शहीद होने से पूर्व जवाहर बाग को खाली कराकर एक बार पुन उस मशहूर गाने कर चले अब तुम्हारे हवाले जवाहर बाग साथियों को जीवंत कर गए। जब उक्त घटना घटित हुई थी तब प्रदेश में सपा सरकार थी लेकिन केंद्र सरकार भाजपा की थी और सांसद ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी थी और उस समय बड़ी छाती पीट पीट कर भाजपाई रोए थे और कुल जुल मिलाकर जांच सरकारी एजेंसी सीबीआई को सौंप दी गई जिसका परिणाम आज तक सामने नहीं आया कि आखिर इतने बड़े प्रकरण में दोषी कौन था।

इस संबंध में स्वर्गीय मुकुल दुवेदी के एक अधिकारी मित्र ने नाम सार्वजनिक न करने पर बताया कि मुकुल दुवेदी अपने आप को अधिकारी मानने से पहले इंसान समझते थे और इंसान इंसान की मदद करता है के सूत्र में मानवीयता के आधार पर फैसले लेकर जनहित में उनके द्वारा जो हो सकता था वो कार्य करने को न वो कभी थकान महसूस करते थे न अपनी कार्यशैली जिम्बेदारी और गरीबों की सेवा से पीछे हटते थे मुकुल दुवेदी जैसा अधिकारी न भूतो न भविष्यति होगा अच्छा लगता अगर सांसद महोदय उनके कातिलों को उनके अंजाम तक पहुंचाने के बाद यह कार्यक्रम आयोजित करती तो वो होती सच्ची श्रद्धांजलि होती लेकिन दुर्भाग्य यशस्वी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री और सरकार सबकुछ होने के बाद भी आजतक मुकुल दुवेदी और संतोष यादव के असल हत्यारे खुले घूम रहे हैं और सरकारी खजाने से सबकुछ भूल महारास आयोजित किए जा रहे हैं इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है।

इसी दरम्यान उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार का उदय हो जाता है जो दोषियों को कदापि माफ नहीं करता है लेकिन समय चक्र घूमता रहा और अब जा कर उसी जवाहर बाग में मोदी जी के नाम पर पुन निर्वाचित सांसद ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी द्वारा उसी जवाहर बाग में सांसद की हैसियत से महारास की प्रस्तुति दी जाती है खूब तालियां बटोरी जाती हैं मीडिया में यशगान होता है लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि जिस कर्तव्य परायण अधिकारी ने अपनी जान गंवा कर जिस जवाहर बाग को मुक्त कराया था उसी में आज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बाह से वाहवाही लूटने वाले राजनेतिक लोगो क्या आपका दायित्व नहीं बनता है कि जिन लोगों के बलिदानों से आजाद जवाहर बाग में आओ तालियां और वाहवाही लूटने में लगे हो क्या उनको इंसाफ दिलाने हेतु आपका दायित्व बनता है अथवा नहीं या फिर विपक्ष को समाप्त करना ही वर्तमान सरकार की मंशा भर मात्र है कि राज्य सत्ता चाहिए शहादत पर तो सिर्फ राजनीति करेंगे और मशहूर फिल्म क्रांतिवीर के डायलॉग तुम हमको बदनाम करो हम तुमको बदनाम करें और मिलकर सत्ता सुख प्राप्त करें तो यहां यह कहना जरूरी है जहां विपक्ष नहीं होगा तो एक दिन आचार्य चाणक्य आगे आयेगा और नंद वंश की तरह आपको धूमिल कर इतिहास की किताबों में ध्वस्त कर देग

अंबेडकर महिला डिग्री कॉलेज का बीए. द्वितीय परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा

अमर ख्याल/सोनी कुमारी, महराजगंज (रायबरेली) अंबेडकर महिला डिग्री कॉलेज बल्ला अमावा रायबरेली में लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा फल 8 /11/ 2022 को घोषित हुआ जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में स्थित अंबेडकर महिला डिग्री कॉलेज का परीक्षा फल शत-प्रतिशत रहा जिसमें 209 छात्राओं में 155 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा निधि मौर्य 80 % तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सपना मौर्य 78.5% तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा शांति देवी 76.7% है। अंबेडकर ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक सुशील पासी ने बच्चों को इस परीक्षा फल सम्मान समारोह में प्रशस्स्ति पत्र प्रदान कर एवं मेडल पहनाकर मिष्ठान खिलाकर उन्हें पुरस्कृत किया। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई दी। इस मौके पर अंबेडकर ग्रुप ऑफ स्कूल के यह प्रबंधक सुनील कुमार एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहें इस कार्यक्रम में बच्चे खुशी से झूम उठे एवं परीक्षा फल से संतुष्ट होकर के समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं का आशीर्वाद प्राप्त करके अभिवादन प्रकट किया।

जिले की पुलिस ने चलाया यातायात जागरूकता अभियान

अमर ख्याल ब्यूरो, संवाददाता चमन अली, हमीरपुर। यातायात माह नवम्बर 2022 के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों व यातायात पुलिस की टीमों द्वारा विभिन्न विद्यालयों में छात्रों के साथ गोष्टी कर तथा गाँव,सार्वजनिक स्थानों व चौराहों पर चौपाल लगा कर छात्र-छात्राओं एवं आमजन को यातायात नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा अपील की गई कि बिना वैध लाइसेंस वाहन न चलायें, नशे की हालत में, बिना फिटनेश, वैध वाहन बीमा न होने पर, दोपहिया बिना हेल्मेट व चारपहिया बिना शीतबेल्ट लगाए वाहन न चलायें, यातयात नियमों का पालन करें साथ ही अपने आसपास व परिवार के लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करें साथ ही साइबर अपराध/साइबर हेल्प लाइन 1930 के बारे में भी जानकारी दी गई।

अण्डर पास के स्थान पर रेलवे फाटक की मांग ने पकड़ा जोर

अमर ख्याल ब्यूरो, संवाददाता चमन अली, मौदहा (हमीरपुर) रेल मंत्रालय ने मानव रहित रेलवे क्रासिंग को समाप्त कर अण्डर पासिंग ब्रिज बनाने का काम किया है लेकिन रेलवे द्वारा बनाए गए अधिकांश अण्डर पासिंग ब्रिज बारिश के सीजन में तालाब का रूप धारण कर लेते हैं जिनसे अक्सर हादसे होने की सम्भावना बनी रहती है इस मानसूनी सीजन में औसत से अधिक बारिश होने के कारण कुछ अण्डर पासों का पानी अभी भी नहीं सूखा है जिसके चलते अक्सर वाहन खराब होने के साथ ही दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है।

पंद्रह वर्ष पहले बने स्टेडियम को आज भी है कोच का इंतजार

जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से ये ग्रामीण स्टेडियम बदहाली का शिकार, लाखों की लागत के खेल उपकरण नदारद

अमर ख्याल/सोनी कुमारी

महराजगंज (रायबरेली) ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को तरासने व खेलों के प्रति बढ़ावा देने की मंशा से सरकार ने ग्रामीण इलाकों में लाखों रुपए खर्च करके ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण कराया था, लेकिन देखरेख के अभाव और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से ये ग्रामीण स्टेडियम बदहाली का शिकार हो गए हैं। रायबरेली जनपद के महराजगंज ब्लाक में सलेथू ग्रामसभा की जमीन पर वर्ष 2006 में

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से महराजगंज विकास खण्ड के सलेथू में स्टेडियम का निर्माण कराया था, जिसमें लगभग तीस लाख रुपए खर्च किए गए थे। तत्कालीन ब्लाक प्रमुख जयप्रकाश साहू ने वर्ष 2009 में स्टेडियम में कुछ खेल उपकरणों की व्यवस्था विभाग से कराई थी। उसके बाद बताते हैं, ह्लसरकार ने खेल सामग्री में कोई कमी नहीं की। वालीबॉल, फुटबॉल से लेकर जिम व हॉकी, क्रिकेट के अलावा विभिन्न खेलों की सामग्री भेजी गई। कमी बची तो सिर्फ कोच की। बिना कोच के खेल सिखाने वाला कोई नहीं था। कोच की तैनाती अबतक नहीं हो सकी ।ह्व वहीं क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों ने बताया कि, ह्लअनेक बार यहां कोच तैनात करने की मांग शासन और प्रशासन से की गई। फिर भी कोच की तैनाती नहीं हो सकी। वर्तमान समय में इस स्टेडियम की देखभाल के नाम पर में तीन पीआरडी के जवान तैनात हैं जो भवन की सुरक्षा करते हैं

वहीं स्थानीय युवाओं ने बताया, कि स्टेडियम के ग्राउंड में गड्ढे बनने के साथ ही बड़ी मात्रा में घास और झाड़ियां उग आई है। रखरखाव के अभाव में हाल के छत के ऊपर रखी टीन गायब हो चुकी है। सारा सामान एक कमरे में कबाड़ की तरह भरा है मैदान में घास और झाड़ियों के कारण युवा खिलाड़ी खेलने भी नहीं आते जिला क्रीडा अधिकारी सर्वेंद्र सिंह ने बताया कि बदहाल स्टेडियम की मरम्मत के लिए तैयारी की जा रही है।

इसकी हालत की रिपोर्ट के अलावा सरकार को खर्च का इस्टीमेट भेजा गया है। साथ ही दो महिला कोच सहित कुल चार कोच की मांग भी शासन से की गई है।

लाखों रुपये खर्च कर तैयार किए गए भवन बदहाल

वर्तमान स्थिति स्टेडियम में अब न तो खेलकूद से संबंधित सुविधा। स्थिति यह है कि लाखों रुपये खर्च कर तैयार किए गए भवन बदहाल स्थिति में हैं। परिसर के आसपास बड़ी-बड़ी घास और झाड़ियां उग गई है, वहीं इसकी चारदीवारी भी जगह जगह से टूटने लगी हैं। कई खेलों के लिए गाड़े गए पोल तक उखाड़ ले गए।

खेलों से हो रहा मोहभंग

युवा खिलाड़ी मोनू,हिमांशु विवेक ने बताया कि खेलों में रुचि रखने वाले युवा खिलाड़ी खेलना तो चाहते है लेकिन कोच के अभाव और मैदान की बदहाली आड़े आ जाती है। वहीं सलेथू ग्राम प्रधान सुनीता साहू ने बताया कि कई बार युवा कल्याण विभाग व विकास खण्ड अधिकारी को स्टेडियम की बदहाल स्थिति की शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन परिणाम सिफर ही रहा।

शिवानी सेल्फ डिफेंस एकेडमी बछरावां में कलर बेल्ट टेस्ट सम्पन्न

अमर ख्याल/सोनी कुमारी

बछरावां (रायबरेली) जिला कराटे संघ रायबरेली के तत्वधान में बछरावां स्थित शिवानी सेल्फ डिफेंस एकेडमी ज्योति बाल विद्या मंदिर गल्ला मंडी में बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एकेडमी के सभी कराटे खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया इस प्रतियोगिता में 20 बच्चे सफल हो सके सफल हुए प्रतिभागियों को कराटे की नवीन बेल्ट और सर्टिफिकेट देकर उन्हें आगामी बेल्ट के लिए प्रमोट किया गया। जिला कराटे संघ से आए हुए परीक्षकों ने विधिवत तरीके से बच्चों का निरीक्षण

किया और योग्य बच्चों को आगे के लिए प्रमोट किया गया। अपने अपने बेल्ट में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले बच्चे इस प्रकार हैं महिमा हुसैन यश एलीना प्रथम स्थान जबकि सोनाली, सार्थक, शुभम, प्रांजुल, अक्षत, अनुष्का, अंजलि, ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षक के रूप में जिला कराटे संघ के संस्थापक राकेश कुमार गुप्ता सचिव राहुल कुमार पटेल वह महिला कोच रितिका गुप्ता के समक्ष प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कराटे संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने बताया आगामी 12 व 13 नवंबर को राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप का आयोजन लखनऊ में होना सुरक्षित हुआ है जिसमें रायबरेली की टीम राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। इस बार बछरावां की टीम से उम्मीद है की यहां के बच्चे गोल्ड लाकर नेशनल में जगह बनाएंगे। कोच शिवानी साहू ने बताया शीघ्र ही उनकी 2 नई ब्रांच का शुभारंभ बछरावां में किया जाएगा जिससे बछरावां के लोगों को कराटे सेल्फ डिफेंस की जानकारी के साथ-साथ उन्हें एक अच्छा प्लेटफार्म भी उपलब्ध हो सके। हमारी वा कराटे एसोसिएशन रायबरेली की योजना है आगामी वर्षों में बछरावां को जिले में नंबर वन और रायबरेली को राज्य में नंबर वन बनाया जा सके।

नगर पालिका स्थित अंबेडकर पार्क में बृहद कैंप का हुआ आयोजन

अमर ख्याल ब्यूरो

संवाददाता चमन अली

हमीरपुर। विगत दिनों उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण के निर्देशन में नगर पालिका हमीरपुर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क में बृहद कैम्प का आयोजन किया गया। इस बृहद कैम्प में पेंशन, राशन कार्ड, विद्युत विभाग,आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगों को सहायक उपकरण आय जाति आदि के ऑनलाइन आवेदन ,प्रधानमंत्री आवास ,श्रम कार्ड आदि से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए स्टाल लगाए गए। कैम्प में नगर पालिका अध्यक्ष श्री कुलदीप निषाद की मौजूदगी में पेंशन ,

विद्युतबिल समस्या, आयुष्मान कार्ड, राशनकार्ड प्रधानमंत्री आवास श्रम कार्ड आदि से संबंधित लोगो की समस्या सुनी गई तथा पात्र लोगो को संबंधित योजनाओं से लाभान्वित किया गया। पेंशन के आवेदन जमा किये गए ! कैंप के माध्यम से 350 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया। इसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन हेतु 13 , विधवा पेंशन हेतु 21, दिव्यांग पेंशन, सहायक उपकरण हेतु 04 , राशन कार्ड हेतु 14 , विद्युत बिल संशोधन हेतु 04, आयुष्मान कार्ड हेतु 16, आय जाति निवास आदि के ऑनलाइन आवेदन हेतु 45 , प्रधानमंत्री आवास योजना के 163 तथा श्रम कार्ड बनाने हेतु 44 लोगों ने संपर्क किया है। जिसमें से मौके पर ही वृद्धावस्था पेंशन के 4 , विधवा पेंशन में 4, राशन कार्ड में 6 , आयुष्मान कार्ड में 9 , आय जाति निवास आदि के 3 आवेदनों को तत्काल निस्तारित कर योजनाओं से आच्छादित किया गया है ! इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर राजेश मिश्रा, समाज कल्याण अधिकारी राम शंकर पटेल ,जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव सिंह ,दिव्यांग कल्याण अधिकारी राम लखन गुर्जर ,जिला पूर्ति अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रा. विद्यालय में बच्चों को अध्यापकों द्वारा दी जा रही अच्छी शिक्षा

अमर ख्याल/अरविंद अवस्थी

सीतापुर। तहसील बिसवा के रेउसा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरी जानकीनगर के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को अध्यापकों द्वारा अच्छी शिक्षा दी जा रही है। और खाना भी मीनू चार्ट के हिसाब से बनता है। आज दिन बृहस्पतिवार को मीडिया कर्मियों के द्वारा निरीक्षण करने पर विद्यालय में मीनू चार्ट के हिसाब से खाना बच्चों को बनाकर रसोईया देती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद अली अख्तर,सहायक अध्यापक मोहित कुमार,शिक्षामित्र सुशील कुमार मिश्रा,सहायक अध्यापक अनीता देवी वहां के सहायक अध्यापक शशांक से बात की गई तो। उन्होंने बताया एक अध्यापक ट्रेनिंग के लिए गए हुए हैं। प्रधानाचार्य छुट्टी पर है। और वहां के बच्चों से जब पूछा गया खाना कैसा बनता है। और पढ़ाई कैसी होती है। तो बच्चों ने बताया यहां पर पढ़ाई अच्छी होती है। और भोजन समय से मिलता है। और अच्छा मिलता है। और वहां के अध्यापक शशांक ने बताया कि विद्यालय परिसर के अंदर बड़ी-बड़ी घासे लगी हुई है। और कूड़ा पड़ा हुआ है। जोकि सफाई कर्मी यहां पर सफाई करने के

लिए नहीं आता है। जिसकी शिकायत हमने प्रधान अशोक निषाद को हमने बताया। लेकिन प्रधान ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया जिससे बच्चों को कीड़े और मकोड़ों से भय बना रहता है। यहां पर छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं। अगर कोई घटना घटित होती है। तो इसका जिम्मेदार स्वयं सफाई कर्मी होगा और प्रधान भी इस बारे में कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। और यहां के प्रधान स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। और ना तो सफाई कर्मी को याद करवा रहे हैं। जो की सरासर गलत है।

यमुना नदी में पीपा पुल नही बनने से आवागमन में हो रही दिक्कत, क्षेत्रवासी परेशान

अमर ख्याल/मनोज त्रिपाठी

लालापुर (प्रयागराज)। प्रयागराज व कौशाम्बी जिला को जोड़ने वाला पीपा पुल अभी तक प्रतापपुर यमुना नदी घाट पर नही बना है। प्रत्येक वर्ष माता मसुरियन धाम में मेला लगने से पहले पीपा पुल बनकर तैयार हो जाता था। कौशाम्बी को जोड़ने वाला प्रतापपुर घाट पर पुल न बनने से कौशाम्बी व प्रयागराज जिले के आने जाने वाले लोगो को इस वर्ष मेला में पँहुचने के लिए काफी दिक्कत उठानी पड़ रही है।या तो पूरा प्रयागराज शहर का चक्कर लगाकर 100 किलोमीटर का सफर तय कर तब पहुँचे अमिलिया धाम या जान जोखिम में डालकर नाव से इस पार आए नाव में दो पहिया वाहन लेकर चढ़ना कभी भी खतरनाक हो सकता है। लालापुर क्षेत्र के अमिलिया तरहार स्थित एक माह तक चलने वाला मसुरियन धाम का ऐतिहासिक मेला अब धीरे धीरे उपेक्षा का शिकार होता चला जा रहा है प्रयागराज जिले के ग्रामीण क्षेत्र का सबसे बड़ा मेला लगता है।इस मेले में लाखों श्रद्धालु माता मसुरियन धाम दर्शन करने अमिलिया तरहार पहुचते है किसी ने इस पुल को लेकर सक्रियता नही दिखाई शायद समय पर पहल किया गया होता तो आज पीपा पुल बनकर तैयार हो गया होता।

क्षेत्र के विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष चन्द्र निधान पाण्डेय,प्रधान लालापुर शंकर लाल पाण्डेय, विवेक शुक्ला अधिवक्ता, राजू त्रिपाठी, मनीष मिश्रा ने आदि क्षेत्रवासियों ने मांग किया है कि प्रतापपुर घाट पर प्रतिवर्ष पीपा पुल मेला नजदीक आते ही बनकर तैयार हो जाता था लेकिन इस वर्ष अभी तक नही बना है।एक तरफ जहाँ मसुरियन माता के धाम पँहुचने में श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी तरफ शकरगढ़ क्षेत्र से लेकर लालापुर क्षेत्र के लोग सराय अकिल की बाजार करने में असुविधा हो रही है जो इस वर्ष असंभव दिखाई पड़ रहा है। यह कोई एक गांव की समस्या नही है... पुल बनने से दो जिला प्रयागराज व कौशांबी के लोग सैकड़ों किलोमीटर का सफर चंद मिनट में तय कर लेते हैं।

> पीपा का पुल न बनना चिन्ता का विषय है अभी संज्ञान में आया है क्यो नही बना दुर्भाग्य है.... मैं अथक प्रयास करूंगा ताकि दो जिला को जोड़ने वाला प्रतापपुर घाट का पीपा पुल जल्द बने।
>
> **डॉ.वाचस्पति विधायक बारा**

> अमिलिया तरहार में मेला लगने से पहले हर वर्ष प्रतापपुर घाट पर पीपा पुल बनकर तैयार हो जाता था..... इस साल अभी तक नही बना है धाम में श्रद्धालुओं को आने में दिक्कत हो रही है.... पुल बनना बहुत जरूरी है।
>
> **शंकर लाल पाण्डेय (ग्राम प्रधान) भटपुरा-लालापुर**

घरेलू हिंसा व उत्पीड़न की शिकार महिला ने कमिश्नर से लगाई न्याय की गुहार

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) एक तरफ महिलाओं की सशक्तिकरण हेतु अनेकों अभियान चलाकर उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ घरेलू हिंसा वी उत्पीड़न की शिकार महिला की सुनवाई नही हो रही है। मामला थाना कटरा बाजार के ग्राम पंचायत टेढ़ी का है जहां घरेलू हिंसा की शिकार महिला प्रीति सिंह पत्नी बलजीत सिंह ने कमिश्नर को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि कुछ वर्ष पूर्व उसकी शादी हिंदू रीति रिवाज से हुई थी।

शादी के बाद से ही पति द्वारा लगातार उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। जिससे परेशान होकर महिला अपने तीन बच्चों के साथ लखनऊ चली गई और वहां मेहनत मजदूरी कर अपना वी बच्चों का पेट भरने लगी। महिला ने बताया का उसका पति शराबी गुंडा वी गिरोहबंद किस्म का व्यक्ति है। 6 नवंबर को महिला लखनऊ से वापस अपने गांव आ रही थी।

महिला के गांव पहुंचने से पहले पूर्व से गाड़ाबंदी किए बैठे प्रकाश वीर सिंह पुत्र जीत बहादुर सिंह ग्राम पंचायत कोटिया मदारा थाना कौड़िया बलजीत सिंह पुत्र साहब बक्स सिंह ग्राम पंचायत टेढ़ी थाना कटरा बाजार कपिल सिंह पुत्र अभिमान सिंह ग्राम पंचायत चैनापुर थाना कौड़िया व रमेश सिंह पुत्र अज्ञात चारों लोग एक राय होकर महिला के ऊपर लाठी डंडों से हमलावर हो गए और महिला की पिटाई करने लगे। महिला के हल्ला गुहार मचाने पर खेत में काम कर रहे लोग दौड़े तब तक दबंग वहां से रफूचक्कर हो गए। महिला ने बताया कि दबंगों ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि थाने में शिकायत की तो जान से हाथ धो बैठोगी। महिला ने आरोप लगाया की पति के साथ आए दबंगों ने सोने की अंगूठी व सोने की चैन छीन ले गए हैं।

वृहद रोजगार मेले का हुआ आयोजन

884 युवाओं का हुआ रोजगार मेले में चयन

अमर ख्याल ब्यूरो

गोंडा। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोण्डा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई0टी0 आई0) परिसर, गोण्डा में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया

उपायुक्त श्रम रोजगार संत कुमार ने बताया कि इस वृहद रोजगार मेले लगभग 2594 रिक्तियों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाण, राजस्थान, महाराष्ट्र राज्यों की प्रतिष्ठित कम्पनियां वेल्पसन इंडिया प्रा0लि0, टाटा मोटर्स, बजाज मोटर्स लिमिटेड, अप-टू स्किल्स, नेपिनो आटो एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इत्यादि कंपनियों ने प्रतिभाग किया है।जनपद के आई0टी0आई0/उ0प्र0 कौशल विकास मिशन प्रमाण पत्र/पालिटेक्निक डिप्लोमा होल्डर तथा हाईस्कूल/इंटरमीडिएट धारकों को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है

जिला सेवायोजन अधिकारी आशा वर्मा ने बताया कि इस रोजगार मेले में 29 प्रतिष्ठित निजी कम्पनियों द्वारा 1950 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया, जिसमे से 884 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। जिलाधिकारी डॉ0 उज्जवल कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह रोजगार मेला क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा आयोजित है, जो बहुत ही सराहनीय कार्य है और इस रोजगार मेले में बेरोजगार अभ्यर्थी आयी हुई विभिन्न कम्पनियों में रोजगार पा सकेंगे। उनके द्वारा कम्पनी में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया

इस अवसर पर मा० विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी, मा0 विधायक कटरा बाजार बावन सिंह,मा० जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रश्मि वर्मा, जिला अध्यक्ष भाजपा अमर किशोर कश्यप, मा० सांसद गोंडा प्रतिनिधि श्री रमाशंकर मिश्र, श्री महेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण। सहित सेवायोजन कार्यालय व आईटीआई के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

साइबर अपराध रोकथाम हेतु कटरा बाजार पुलिस निरंतर अभियान चलाकर लोगों को कर रहे जागरूक

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार(गोण्डा)जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के निर्देशन में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप आम जनमानस में साइबर अपराध से बचाव हेतु थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त कुशल निर्देशन में साइबर अपराध व महिला संबंधित अपराध व शोषण करने वाले के विरुद्ध तरित कार्यवाही कर तत्परता दिखाते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण व साइबर अपराध के रोकथाम हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित,वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार पुलिस ने थाना क्षेत्र में निरंतर भ्रमण के दौरान आम जनमानस से जनसंवाद स्थापित कर लोगों को जागरूक करने हेतु दिखा रहे तत्परता इतना ही नहीं बल्कि कटरा बाजार पुलिस ने शिक्षण संस्थानों में साइबर अपराध का सेमीनार आयोजित कर साइबर अपराध से सम्बन्धित पम्पलेट, पोस्टर का प्रयोग कर आम जनमानस में साइबर अपराध की रोकथाम हेतु नेशनल साइबर क्राइम रिपोटिंग पोर्टल एवं टोल फ्री हेल्प लाइन नम्बर 1930 के बारे अवगत कराते हुए साइबर जागरूकता दिवस मनाया गया।साइबर अपराध जैसे इन्टरनेट बैकिंग, एटीएम कार्ड/डेविड कार्ड/ क्रेडिट, ओलेक्स फ्राड, वालेट/यूपीआई सम्बन्धित धोखाधड़ी में सावधानियां, फेसबुक हैकिंग, बारकोड के माध्यम से होने वाले फ्राड, व्हाट्एप हैकिंग से बचाव, फर्जी वेबसाइड से होने वाले फ्राड के सम्बन्ध में सावधानियां, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, व्हास्टएप आदि सोशल साइट्स से हनी ट्रैप होने के सम्बन्ध में बचाव के तरीके एवं साइबर अपराध घटित होने पर थानों पर स्थापित साइबर हेल्प डेस्क/हेल्पलाइन नम्बर/वेबसाइड पर शिकायत दर्ज के सम्बन्ध में व अपराध होने पर पुलिस किस प्रकार उनकी मदद कर सकती है, इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। उक्त आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजनमानस को साइबर अपराध के प्रति जागरूक कराना था जिससे साइबर अपराध सम्बन्धी जागरूकता का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जा सके और नागरिकों को साइबर ठगी से बचाया जा सकें।

अवैध मादक पदार्थ का तस्करी करने वाले का कतई खैर नहीं: थाना प्रभारी निरीक्षक

अवैध मादक पदार्थ का तस्कर अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री मे संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए , वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र ही गिरफ्तारी करके सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही कर तत्परता दिखाते हुए कहा कि अगर कोई भी अवैध गांजा का तस्करी करता हुआ पाया गया तो तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तारी करके सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही कर माननीय न्यायालय ने दिया जाएगा। थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ का तस्करी करने वाले को तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु टीम किया गठित। वहीं दूसरी तरफ थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार के उक्त निर्देश के क्रम में थाना कटरा बाजार पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त राहुल जयसवाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 563 ग्राम अवैध गाँजा बरामद किया गया अभियुक्त के विरूद्ध थाना कटराबाजार में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी। अवैध गांजा का तस्कर को कटरा पुलिस ने गिरफ्तार कर सफलता हासिल की ,गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 अभिषेक वर्मा मय टीम सहित मौजूद रहे।

डीएम ने की जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से संबंधित बैठक

अमर ख्याल ब्यूरो

गोंडा। जिलाधिकारी डॉ० उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पंचायत राज विभाग, पशुपालन विभाग, लोक निर्माण विभाग, डूडा विभाग, नगर पंचायत मनकापुर, नगर पालिका नवाबगंज, नगरपालिका करनैलगंज, व नगर पालिका गोंडा सहित अन्य विभाग के अधिकारियों से ठंड से बचाव हेतु रैनबसेरा आदि के संबंध में सभी व्यवस्थाएं पहले से ही तैयार करने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि ठंड से बचाव हेतु रैन बसेरा व अन्य सभी संबंधित व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण कर ली जाएं। तथा शहर के सभी चिन्हित स्थानों पर अलाव, व रैन बसेरा व अन्य व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रश्मि वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता, उप जिलाधिकारी सदर विनोद कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी करनैलगंज हीरालाल, तहसीलदार मनकापुर पैगाम हैदर, जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी रविंद्र सिंह राठौर, परियोजना अधिकारी डूडा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार का मकसद सभी को अच्छी शिक्षा दिलाना: दानिश आजाद

मेरठ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मदरसों में युवाओं को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए नीति तैयार की जा रही है। मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की पड़ताल के लिए यह सर्वे किया जा रहा है। सरकार का मकसद सभी को अच्छी शिक्षा दिलाना है।

प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी गुरुवार को राज्य मंत्री दिनेश खटीक की माता के निधन पर शोक जताने के लिए मेरठ पहुंचे। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मदरसों का सर्वे कोई साजिश नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाना है। इसमें वैध और अवैध कुछ नहीं है,बल्कि मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का पता लगाना है। मदरसों में युवाओं को अच्छी शिक्षा देने के लिए नीति बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों में छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षा का स्तर, शिक्षकों की संख्या आदि की पड़ताल के लिए सर्वे हो रहा है। सर्वे का उद्देश्य किसी का नुकसान करना नहीं है। कहीं से भी सर्वे के दौरान कोई शिकायत नहीं है। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद मदरसों की बेहतरी के लिए कार्य किया जाएगा।

सुभारती विवि में बीडीएस की छात्रा के आत्महत्या प्रकरण पर उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। योगी सरकार में कोई दोषी नहीं बचेगा। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली आदि उपस्थित रहे।

विदेशों में खादी का आउटलेट खोलने पर 12 करोड़ तक देगी योगी सरकार

हथकरघा निर्मित वस्त्रों को ब्रांड बनाने के लिए योगी सरकार लाई उत्तर प्रदेश वस्त्र एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश वस्त्र एवं गारमेंटिंग पॉलिसी-2022 के तहत खादी के वस्त्रों को ब्रांड के रूप में पहचान दिलाने के लिए योगी सरकार देश के अन्य राज्यों एवं विदेश में खादी के चेन आउटलेट खोलने पर 12 करोड़ रुपये तक अनुदान देगी।

इतना ही नहीं योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को संगठित होकर वस्त्रों की बिक्री के लिए ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी बनाने पर रजिस्ट्रेशन से लेकर उसे शुरू करने के दौरान आने वाले खर्च पर 75 प्रतिशत या अधिकतम 50 लाख रुपये प्रति कंपनी अनुदान देगी। इन सभी में प्रदेश के बुनकरों के बच्चों को वरीयता दी जाएगी। योगी सरकार की नई गारमेंटिंग पॉलिसी में प्राविधान किया गया है कि अगर प्रदेश के युवा मार्केटिंग कंपनी के जरिए खादी वस्त्रों के चेन आउटलेट खोलते हैं तो उन्हें अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश या प्रदेश के बाहर 50 चेन आउटलेट खोलने पर दो करोड़ का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए आउटलेट से तीन वर्ष के दौरान प्रति वर्ष चार करोड़ की बिक्री की गई हो। प्रदेश या देश के अन्य राज्यों में 100 चेन आउटलेट खोलने पर चार करोड़ का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए आउटलेट द्वारा तीन वर्षों में

प्रति वर्ष आठ करोड़ की बिक्री की गयी हो। इसी तरह प्रदेश या प्रदेश के बाहर 200 आटउलेट खोलने पर आठ करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए आउटलेट द्वारा तीन वर्षों तक प्रति वर्ष 16 करोड़ की बिक्री की गयी हो। वहीं 500 आउटलेट खोलने पर 10 करोड़ का अनुदान देगी। इतना ही नहीं कंपनी की ओर से कुल आउटलेट का 80 प्रतिशत प्रदेश के बाहर और विदेशों में 25 आउटलेट खोलने पर दो करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई वस्त्र पॉलिसी में प्रदेश में खादी वस्त्रों के लिए नया एक्सपोर्ट हाउस खोलने या कंपनी की शुरूआत करने पर उसके रजिस्ट्रेशन में आने वाले खर्च पर 75 प्रतिशत तक अनुदान देने का प्राविधान किया है। साथ ही इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर परियोजना लागत का 75 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपये अनुदान दिया जाएगा। योगी सरकार ने प्रदेश में उत्पादित वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक वर्ष में दो बायर-सेलर मीट कराने का निर्णय लिया है। बायर सेलर मीट प्रदेश के पश्चिमी एवं पूर्वी क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे। सरकार इसके आयोजन के लिए अधिकतम 20 लाख रुपये प्रति बायर-सेलर मीट खर्च करेगी। वहीं निर्यात से संबंधित संस्था यदि अपने स्तर से कोई बायर-सेलर मीट कराती है तो सरकार कुल लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति बायर-सेलर मीट के लिए अनुदान देगी। सरकार प्रदेश के वस्त्रों के निर्यात, मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से राज्य के दो बड़े महानगरों में फैशन-शो भी आयोजित कराएगी। इसके लिए 20 लाख रुपये की धनराशि प्रति फैशन शो खर्च की जाएगी।

सपा ने मैनपुरी लोकसभा सीट से डिम्पल यादव को बनाया उम्मीदवार

मुलायम सिंह की सीट पर उनकी बहू व पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी लड़ेंगी चुनाव

लखनऊ/मैनपुरी। समाजवादी पार्टी (सपा) ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर गुरुवार को उम्मीदवार की घोषणा कर दी। सपा ने इस सीट पर मुलायम सिंह यादव की बहू व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी पूर्व सांसद डिम्पल यादव को चुनाव मैदान में उतारा है।

प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र जारी कर सपा के गढ़ मैनपुरी लोकसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित कर कई दिनों से चली आ रही अटकलों को विराम लगा दिया। कई दिनों से इस सीट पर उम्मीदवार को लेकर कभी शिवपाल यादव, तेज प्रताप यादव के इर्द-गिर्द घूम रही राजनीतिक चचाओं पर आखिरकार डिम्पल यादव का नाम सामने आने के बाद विराम लग गया। यहां से अब नेताजी मुलायम सिंह यादव की बहू और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल को उपचुनाव में प्रत्याशी बनाया गया है। उनका नाम सामने आते ही साफ हो गया कि नेताजी की राजनीतिक विरासत को अब बहू डिम्पल यादव आगे बढ़ाएंगी।

खास बात यह है कि जिस सीट पर डिम्पल यादव का नाम घोषित किया गया है, उस सीट के अंतर्गत करहल विधानसभा सीट आती है। करहल से ही वर्तमान में अखिलेश यादव विधायक हैं। मैनपुरी सीट पर डिम्पल यादव का नाम घोषित होते ही पार्टी कार्यकर्ता पांच दिसम्बर को होने वाले मतदान के साथ उससे पहले नामांकन की तैयारियों में जुट गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी सीट रिक्त हुई है।

हजरत निजामुद्दीन औलिया का 719वां उर्स समारोह 12 नवंबर से

नई दिल्ली। महबूब-ए-इलाही के नाम से दुनियाभर में मशहूर सूफी-संत हजरत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया का 719वां सालाना उर्स 12 नवंबर से 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। इसके मद्देनजर दरगाह प्रांगण में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दरगाह को खूबसूरती से सजाया जा रहा है और उर्स के दौरान अकीदतमंदों के हुजूम के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए जा रहे हैं।

कोरोना महामारी के बाद इस साल देश-दुनिया से बड़ी संख्या में जायरीन के शिरकत करने की उम्मीद जताई जा रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से 147 जायरीन का प्रतिनिधिमंडल पहले ही दिल्ली पहुंच चुका है। उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच पहाड़गंज के एक होटल में ठहराया गया है।

दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया के चीफ इंचार्ज काशिफ निजामी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया का उर्स कोरोना महामारी के बाद इस वर्ष काफी धूमधाम से मनाया जा रहा है। कोरोना काल में उर्स समारोह बहुत ही सादगी से मनाया गया था। बाहर के लोगों को उर्स में आने की अनुमति नहीं थी लेकिन इस बार उर्फ समारोह में बड़ी तादाद में देश-दुनिया से जायरीन भाग लेने के लिए आने वाले हैं।

उन्होंने बताया कि उर्स में आने वाले जायरीन की सुविधा के लिए दरगाह प्रांगण में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 4 दिनों तक चलने वाले उर्स समारोह की शुरूआत 12 नवंबर को मगरिब की नमाज के बाद होगी। उर्स के दौरान हर साल की तरह दरगाह प्रांगण में कुरान ख्वानी, कव्वाली और दुआ आदि का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दरगाह में आने वाले जायरीन के लिए लंगर की भी व्यवस्था की गई है।

पिनाका रॉकेट के बाद अब आर्मेनिया ने भारत से खरीदी माउंटेड आर्टिलरी गन

नई दिल्ली। अपने पड़ोसी अजरबैजान से आत्मरक्षा में लगा आर्मेनिया तेजी के साथ सैन्य हथियार जुटा रहा है। भारत से पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर खरीदने के बाद अब माउंटेड आर्टिलरी गन की चार से पांच रेजिमेंट के लिए भारतीय फर्म को ऑर्डर किया है। इस सैन्य हार्डवेयर में मिसाइल, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, अपतटीय गश्ती जहाज, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर, निगरानी प्रणाली और विभिन्न प्रकार के राडार शामिल हैं। भारत भी विदेशी ऑर्डर हासिल करने के लिए हथियारों का निर्यात बढ़ाने के लगातार प्रयास कर रहा है।

- विदेशी ऑर्डर हासिल करने के लिए हथियारों का निर्यात बढ़ाने के लगातार प्रयास में है भारत
- चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 8,000 करोड़ रुपये के निर्यात ऑर्डर हासिल किये गए

भारतीय रक्षा कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड को मित्र देश आर्मेनिया ने 155 मिमी/39 कैलिबर ट्रक आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए 155.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऑर्डर दिया है। इस हथियार प्रणाली के लिए किसी देश से मिला यह पहला निर्यात ऑर्डर है। रक्षा कंपनी ने गुरुवार को मित्र देश के नाम का खुलासा करते हुए बताया है कि ऑर्डर में सिस्टम की चार से पांच रेजिमेंट शामिल हैं और इसकी आपूर्ति तीन साल की समय सीमा के भीतर पूरी की जाएगी। इस सैन्य हार्डवेयर में मिसाइल, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, अपतटीय गश्ती जहाज, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर, निगरानी प्रणाली और विभिन्न प्रकार के राडार शामिल हैं।

भारत को दो माह पहले आर्मेनिया से मिसाइल, रॉकेट और गोला-बारूद के लिए 245 मिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला था। सितम्बर माह की शुरूआत में सरकार से सरकार के तहत दोनों देशों के बीच कई अनुबंध हुए हैं। आर्मेनिया ने अन्य प्रणालियों के साथ पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल) सिस्टम की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट की आपूर्ति 245 मिलियन के नए हथियारों और बारूद के निर्यात पैकेज का हिस्सा है। आर्मेनियाई सेना ने फिलहाल छह अतिरिक्त पिनाका रेजिमेंट के लिए ऑर्डर दिया है। भारत सौदे के तहत आर्मेनिया को टैंक रोधी रॉकेटों के साथ-साथ गोला-बारूद की एक श्रृंखला की भी आपूर्ति करेगा।

प्रो. विनय पाठक की याचिका पर फैसला सुरक्षित, 15 को आएगा निर्णय

लखनऊ। कानपुर विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक की याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की खंडपीठ ने कहा कि वह 15 नवम्बर को अपना फैसला सुनाएगी। इसी के साथ कोर्ट ने फैसला सुनाए जाने तक प्रो. पाठक के खिलाफ उत्पीड़ात्मक कार्रवाई न किए जाने का भी आदेश दिया है। कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक के करीबी कारोबारी अजय मिश्र व अजय जैन के बैंक खातों को एसटीएस ने खंगाला। जांच एजेंसी को पांच बैंकों के इन दोनों के खातों की डिटेल मिल गया है। इसमें दोनों की इनवाइस और ई-वे बिल का मिलान भी कराया जा रहा है। बैंक खातों से ही आरोपितों की कंपनियों के कारोबारी लेनदेन मिले हैं।

कुरहानी उपचुनाव में भी करेंगे एनडीए उम्मीदवार का समर्थन:चिराग पासवान

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व अध्यक्ष चिराग पासवान ने बुधवार को घोषणा की कि वह कुरहानी विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा नीत राजग (एनडीए) को अपना समर्थन देंगे। राजद विधायक अनिल साहनी को अयोग्य ठहराने जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा है।

पासवान मुजफ्फरपुर में जिले में कुरहानी उपचुनाव को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस उपचुनाव के लिए गुरुवार से नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पासवान ने हाल ही में मोकामा और गोपालगंज सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया था।

दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग ने कहा, हमारी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का समर्थन करेगी। बता दें कि बीते साल 2021 के अक्तूबर माह में रामविलास पासवान द्वारा स्थापित 'लोक जनशक्ति पार्टी' दो समूहों में बंट गई। इनमें एक का नाम 'लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास)' है जिसका नेतृत्व चिराग पासवान करते हैं, वहीं दूसरी पार्टी का नाम 'राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी' है, जिसके संस्थापक पशुपति कुमार पारस हैं। पशुपति, चिराग पासवान के चाचा हैं।

राजग और सत्तारूढ महागठबंधन दोनों ने अभी तक कुरहानी सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है। साहनी को दिल्ली की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उनपर राज्यसभा सदस्य रहते हुए छुट्टी मनाने के लिए रियायत का लाभ उठाने के लिए फर्जी बिल जमा करने का आरोप था।

कुपवाड़ा में आतंकी भर्ती और फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड, छह गिरफ्तार

कुपवाड़ा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नुनसा और लोलाब इलाकों से सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-उल मुजाहिदीन जम्मू और कश्मीर (टीयूएमजेके) के एक आतंकी भर्ती और फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार आतंकियों के सहयोगियों से हथियार व गोला बारूद भी बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सेना और कुपवाड़ा पुलिस ने कुपवाड़ा के सामान्य क्षेत्र नुनुसा और लोलाब इलाकों में संयुक्त अभियान चलाया था। चीरकोट इलाके के निवासी बिलाल अहमद डार ने पकड़े जाने के बाद गहन पूछताछ में उसने कई खुलासे किये। उसने बताया कि वह उत्तरी कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के पांच अन्य लोगों के साथ ह्यइस्लाही फलाही रिलीफ ट्रस्टह्ल (आईएफआरटी) नामक एक एनजीओ की आड़ में आतंकवादी फंडिंग रैकेट चलाता है।

भारत की मेजबानी में हुई बिम्सटेक के कृषि मंत्रियों की दूसरी बैठक

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि के कायाकल्प के लिए बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग उपक्रम (बिम्सटेक) देशों का सहयोग जरूरी है। तोमर ने गुरुवार को बिम्सटेक सदस्य देश भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका व थाईलैंड के कृषि मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पोषक आहार के रूप में मिलेट के महत्व व अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के दौरान मिलेट व इसके उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भारत की ओर से सार्थक प्रयास किए गए हैं।

तोमर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वक्तव्य को दोहराया, जो उन्होंने मार्च-2022 को कोलम्बो में हुए 5वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा, शांति व समृद्धि के लिए बिम्सटेक राष्ट्रों के क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने के संबंध में दिया था। मंत्री ने कृषि उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा व पोषण, स्थिरता, अनुसंधान और

विकास को बढ़ावा देने और कृषि व्यापार, जलवायु परिवर्तन प्रबंधन, डिजिटल कृषि आदि क्षेत्रों में बिम्सटेक के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता जताई।

उल्लेखनीय है कि बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग उपक्रम (बिम्सटेक) की दूसरी कृषि मंत्री-स्तरीय बैठक की भारत ने गुरुवार को मेजबानी की। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने की। बैठक में भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका व थाईलैंड के कृषि मंत्रियों ने भी भाग लिया।

दूसरी बिम्सटेक कृषि मंत्री-स्तरीय बैठक में बिम्सटेक कृषि सहयोग (2023-2027) को मजबूत करने के लिए कार्य योजना को अंगीकार किया गया और बिम्सटेक सचिवालय व अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) के बीच समझौता ज्ञापन व मात्स्यिकी एवं पशुधन उप-क्षेत्रों को कृषि कार्य समूह के तहत लाने को मंजूरी दी गई।

जगन्नाथ आदिवासियों के दारु देवता व पूरे ब्रह्माण्ड के भगवान: राष्ट्रपति

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को पुरी में श्रीजगन्नाथ के दर्शन करने के बाद दर्शन पुस्तिका में अपने भावपूर्ण अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने ओडिया भाषा में अपने मन की बात लिखी है। उन्होने लिखा, आज श्रीमंदिर में चतुर्धा मुर्ति एवं पार्श्व देव-देवियों का दर्शन कर अपने आप को सौभाग्यवती मान रही हूं ओडिशा के लोगों के परम आराध्य महाप्रभु श्रीजगन्नाथ को प्रणिपात कर मुझे एक विरला व दिव्य अनुभूति हुई है। महाप्रभु आदिवासियों के दारु देवता हैं तथा समग्र विश्व ब्रह्माण्ड के भगवान हैं। मानवता के कल्याण के लिए उनके निकट विनम्र प्रार्थना करती हूं। श्रीजगन्नाथजी के आशीष प्राप्त कर हमारा देश विकास के शीर्ष पर पहुंचे, यही मेरी कामना है।

शोपियां में जमात-ए-इस्लामी की नौ अचल संपत्तियों को सील करने का आदेश

श्रीनगर। शोपियां के जिला मजिस्ट्रेट ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी की शोपियां जिले में स्थित 2.60 करोड़ रुपये मूल्य की नौ अचल संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया है। यह आदेश आतंकी और अलगाववादी नेटवर्क को नष्ट करने के मकसद से दिया गया है।

प्रदेश जांच एजेंसी (एसआईए) ने राज्य में जमात-ए-इस्लामी की विभिन्न अचल संपत्तियों का पता लगाया है। इनमें दुकानें, मकान, स्कूल परिसर, बाग इत्यादि शामिल हैं। एसआईए ने इन्हें सील करने की सिफारिश की थी, ताकि इनका इस्तेमाल राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए न हो सके। इस पर जिला मजिस्ट्रेट ने जिले में जमात-ए-इस्लामी की नौ अचल संपत्तियों को सील करने का आदेश जारी कर दिया है।

एसआईए और संबंधित तहसीलदार ने जांच में पाया कि ये सभी संपत्तियां सदस्यों के माध्यम से जमात-ए-इस्लामी के कब्जे में थी। संपत्ति सील करने के जारी आदेश में कहा गया है कि अलगाववादी गतिविधियों के लिए धन प्रवाह रोकने और राष्ट्रविरोधी तत्वों के नेटवर्क को नष्ट करने के लिए इन संपत्तियों को सील किया जा रहा है।

जब्त की गई संपत्तियों में बटपोरा में सर्वे संख्या 291 के तहत दो कनाल 15 मरला जमीन, बटपोरा में ही सर्वे संख्या 288 के तहत सात मरला जमीन, बटपोरा में सर्वे संख्या 813 के तहत सात मरला जमीन, बटपोरा में ही सर्वे संख्या 693/290 के तहत कुल 23 मरला जमीन, बटपोरा में एक कनाल व सात मरला जमीन पर निमार्णाधीन भवन, बटपोरा में ही सर्वे संख्या 292 के तहत 17 मरला जमीन, बोनगाम में सर्वे संख्या 418 के तहत एक कनाल आठ मरला जमीन पर फलाह-ए-आम ट्रस्ट के इकरा पब्लिक स्कूल की दोमंजिला इमारत, कानीपोरा में सर्वे संख्या 24 के तहत चार मरला व दो मरला जमीन के दो टुकड़ों पर चार मंजिला इमारत शामिल हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का मुकाबला करने को अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की जरूरत : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने कहा, नए आयाम उभर रहे, सुरक्षा खतरों का वर्गीकरण करना कठिन, मजबूत भारत का निर्माण दूसरों की कीमत पर नहीं, बल्कि खुद अपने प्रयासों से होगा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साइबर हमलों और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का मुकाबला करने के लिए ठोस अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया है। हाल के दिनों तक सुरक्षा को आम तौर पर दो पहलुओं में देखा जाता था। पहला आंतरिक सुरक्षा और दूसरा बाहरी सुरक्षा। आंतरिक सुरक्षा का अर्थ है हमारी सीमाओं के भीतर सुरक्षा का प्रबंधन और कानून-व्यवस्था का रखरखाव। बाहरी सुरक्षा का मतलब विदेशी ताकतों से हमारी सीमाओं की सुरक्षा है। अब आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की खाई कम होती जा रही है। सुरक्षा खतरों के नए आयाम उभर रहे हैं, जिनका वर्गीकरण करना कठिन होता जा रहा है।

रक्षा मंत्री गुरुवार को नई दिल्ली में 60वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम दीक्षांत समारोह के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं के साथ-साथ मित्र देशों के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की पूरी क्षमता का उपयोग तभी किया जा सकता है, जब उसके हितों की रक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि सभ्यता के फलने-फूलने और समृद्ध होने के लिए सुरक्षा अनिवार्य है। मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण दूसरों की कीमत पर नहीं होगा, बल्कि खुद अपने प्रयासों से होगा। भारत अन्य देशों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करने के लिए है, इसलिए हमें सभी के लिए अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का हवाला देते हुए कहा कि रूस और

यूक्रेन दुनिया की जरूरतों का लगभग एक तिहाई हिस्सा गेहूं और जौ का निर्यात करते हैं, लेकिन इस संघर्ष ने विभिन्न अफ्रीकी और एशियाई देशों में खाद्य संकट पैदा कर दिया। इस संघर्ष ने दुनिया में ऊर्जा संकट को भी जन्म दिया है। यूरोप में तेल और गैस की आपूर्ति घट रही है। भारत भी प्रभावित हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान पैदा किया, जिससे ऊर्जा आयात बहुत अधिक महंगा हो गया है। असली सवाल यह है कि अगर हमारे सामने इतनी गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो रही हैं, तो हम उनका मुकाबला कैसे करेंगे।

राजनाथ सिंह ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में सूचना युद्ध की भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसमें राजनीतिक स्थिरता को खतरा पैदा करने की क्षमता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए समाज में फेक न्यूज और नफरत फैलाने वाली सामग्री लाए जाने की संभावना का कोई हिसाब नहीं है। ऊर्जा क्षेत्र साइबर हमलों के मुख्य लक्ष्यों में से एक है, लेकिन परिवहन, सार्वजनिक क्षेत्र की सेवाएं, दूरसंचार और महत्वपूर्ण विनिर्माण उद्योग भी असुरक्षित हैं। हम ऐसे सुरक्षा खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें साइबर युद्ध और सूचना युद्ध भी शामिल हैं। इसलिए साइबर हमलों और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का मुकाबला करने के लिए ठोस अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की जरूरत है।

अपने संबोधन के अंत में रक्षा मंत्री ने सभी कैडेट्स को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए भरोसा जताया कि आप अपने और अपने देशों के लिए बड़ी ख्याति अर्जित करेंगे। ऐसा करके आप इस देश और एनडीसी दोनों को गौरवान्वित करेंगे। दीक्षांत समारोह में 60वें एनडीसी कोर्स (2020 बैच) के अस्सी अधिकारियों को मद्रास विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित एमफिल की डिग्री से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में एनडीसी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एमके मागो ने एनडीसी के जीवंत शैक्षणिक वातावरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने, मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस गौरी और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

एक नजर

अफ्शां ने डब्ल्यूपीजीटी में बढ़त कायम रखी

पंचकुला। अफशां फातिमा ने गुरूवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के दूसरे दौर में बाधा के बावजूद बढ़त कायम रखी। पहले दौर में दो शॉट की बढ़त लेने वाली अफशा ने दूसरे दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेला जिससे वह इवन पार 144 के कुल स्कोर से एक शॉट की बढ़त बनाए हैं। रिद्धिमा दिलावड़ी (73, 72) पहले दौर के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर चल रही थीं। अब वह दूसरे स्थान पर हैं।

मनु गंडास ने कोर्स रिकॉर्ड बनाकर बढ़त हासिल की

हैदराबाद। मौजूदा चैम्पियन मनु गंडास ने गुरूवार का यहां तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स में 10 अंडर 60 का शानदार कार्ड खेलकर कोर्स रिकॉर्ड बनाया और पांच शॉट की बढ़त हासिल की। गुरूग्राम के गंडास का कुल स्कोर 17 अंडर 123 है। चंडीगढ़ के अंगद चीमा ने सात अंडर 63 का कार्ड खेला जिससे वह 12 अंडर 128 के कुल स्कोर से हैदराबाद के 17 वर्षीय मिलिंद सोनी (65) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। सोनी कट हासिल करने वाले एकमात्र एमेच्योर गोल्फर हैं।

मनु गंडास ने कोर्स रिकॉर्ड बनाकर बढ़त हासिल की

हैदराबाद। मौजूदा चैम्पियन मनु गंडास ने गुरूवार का यहां तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स में 10 अंडर 60 का शानदार कार्ड खेलकर कोर्स रिकॉर्ड बनाया और पांच शॉट की बढ़त हासिल की। गुरूग्राम के गंडास का कुल स्कोर 17 अंडर 123 है। चंडीगढ़ के अंगद चीमा ने सात अंडर 63 का कार्ड खेला जिससे वह 12 अंडर 128 के कुल स्कोर से हैदराबाद के 17 वर्षीय मिलिंद सोनी (65) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। सोनी कट हासिल करने वाले एकमात्र एमेच्योर गोल्फर हैं।

बांग्लादेश एकादश ने तीसरे वनडे में तमिलनाडु एकादश को 19 रन से हराया

चेन्नई। बांग्लादेश एकादश ने गुरूवार को यहां चार मैच की श्रृंखला के तीसरे एकदिवसीय मैच में तमिलनाडु एकादश को 19 रन से हराया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम 48.4 ओवर में 220 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मोहम्मद तौहिद हिरिदॉय ने 74 गेदं में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 66 रन की पारी खेली जबकि अनामुल हक बिजॉय ने 42 रन का योगदान दिया। तमिलनाडु एकादश की ओर से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एच त्रिलोक नाग ने तीन विकेट चटकाए। बाएं हाथ के स्पिनरों एस अजित राम और एस मोहन प्रसाथ ने दो-दो विकेट हासिल किए। बांग्लादेश ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। तौहिद और मोहम्मद ताइजुल इस्लाम (19) के बीच सातवें विकेट की 64 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी।

भारत का दस विकेट से मानमर्दन करके इंग्लैंड फाइनल में

एजेंसी ■ एडीलेड

स्टार बल्लेबाजों के बल्ले ऐन मौके पर खामोश रहे, गेंदबाजों को लय नहीं मिल सकी और आईसीसी टूर्नामेंटों में बड़े मैच हारने का भारत का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली दस विकेट से हार ने भारतीय टीम का 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीतने का सपना और दुनिया भर में करोड़ों भारतीयों का दिल भी तोड़ दिया। एलेक्स हेल्स और कप्तान जोस बटलर के नाबाद अर्धशतकों और पहले विकेट के लिए 170 रन की रिकॉर्ड अटूट साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने भारत को दस विकेट से रौंदकर टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना पाकिस्तान से होगा। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई भारतीय टीम के लिए न तो विराट कोहली के बल्ले में वह तेवर नजर आए और न ही सूर्यकुमार यादव चमक सके। हार्दिक पंड्या ने अलबत्ता फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाते हुए 33 गेंद में 63 रन बनाकर टीम को छह विकेट पर 168 रन तक पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजों को स्कूली बच्चों की तरह मैदान के चारों ओर धुन दिया। बटलर ने 49 गेंद में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 80 और एलेक्स हेल्स ने 47 गेंद में नाबाद 86 रन बनाए जिसमें चार चौके और सात छक्के शामिल थे। ग्रुप चरण में शीर्ष रहने वाली भारतीय टीम का कोई दांव आज नहीं चल सका। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों ने भी निराश किया। मोहम्मद शमी से लेकर अर्शदीप सिंह तक सभी नाकाम रहे और हेल्स तथा बटलर ने भारत . पाकिस्तान फाइनल की संभावनाएं ध्वस्त कर दी। इससे पहले भारत के लिए विराट कोहली ने 40 गेंद में 50 रन बनाए लेकिन भारतीय पारी का आकर्षण पंड्या रहे जिन्होंने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पहले दस ओवर के प्रदर्शन के बाद यह स्कोर मुमकिन नहीं लग रहा था। आखिरी चार ओवर में भारत ने 58 रन बनाए जिसमें चार चौके और पंड्या के पांच छक्के शामिल थे। भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और केएल राहुल (पांच) एक बार फिर बड़े मैच में नाकाम रहे। क्रिस वोक्स ने दूसरे ओवर में अतिरिक्त उछाल के खिलाफ उनकी कमजोरी की कलई खोल दी। भारत अगर 20 रन से पीछे रह गया तो इसके लिए कप्तान रोहित शर्मा जिम्मेदार हैं जिन्होंने 28 गेंद में 27 रन बनाए। पहले दस ओवर में सिर्फ 62 रन बने। सेमीफाइनल में 42 डॉट गेंद यानी सात ओवर में रन नहीं बनना साबित करता है कि टीम किस कदर दबाव में थी।

किसी को दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते: रोहित

एडीलेड। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनके खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार को यहां टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दबाव में आ गए। उन्होंने 10 विकेट की शर्मनाक हार के लिए अपने गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए चार ओवर रहते हासिल कर लिया। रोहित ने मैच के बाद कहा, आज के नतीजे से काफी निराश हूं। हमने अपनी पारी के अंत में अच्छी बल्लेबाजी कर यह स्कोर बनाया। हम गेंदबाजी में अच्छे नहीं रहे। यह निश्चित रूप से ऐसा विकेट नहीं था जिसमें एक टीम 16 ओवर में ही यह लक्ष्य हासिल कर लेती। आज हम गेंद से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा, जब नॉकआउट चरण में पहुंच जाते हैं तो इसमें दबाव से निपटना अहम हो जाता है। यह हरेक व्यक्ति पर भी निर्भर करता है। आप किसी को भी दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते। जब ए खिलाड़ी आईपीएल के प्लेऑफ में खेलते हैं तो ए मैच काफी दबाव वाले मुकाबले होते हैं और वे इससे अच्छी तरह निपटते हैं। रोहित ने कहा, हमने गेंद से जैसी शुरूआत की, वह आदर्श नहीं थी। हम थोड़े नर्वस थे। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आपको उनके सलामी बल्लेबाजों को श्रेय देना होगा, वे काफी अच्छी तरह खेले। मुझे लगता है कि पहले ओवर में यह थोड़ी स्विंग हुई, लेकिन सही क्षेत्र में नहीं। उन्होंने कहा, जब हमने पहला मैच जीता तो इसमें काफी जज्बा दिखा था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच थोड़ा पेचीदा रहा। मुझे लगता है कि हमने संयम बनाए रखा और अपनी योजना पर डटे रहे। आज ऐसा नहीं कर सके।

शॉर्ट न्यूज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने कोहली

एडीलेड। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली गुरूवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। इस मैच से पहले कोहली को चार हजार रन के आंकड़े को छूने के लिए 42 रन की दरकार थी। उन्होंने सेमीफाइनल में 40 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 50 रन की पारी खेली। कोहली ने भारतीय पारी के 15वें ओवर में स्पिनर लियाम लिविंगस्टोन की गेंद पर चौके के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार हजार रन के आंकड़े को पार किया। कोहली के नाम अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 115 मैच में 52.73 की औसत से 4008 रन दर्ज हैं जिसमें एक शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 148 मैच में 31.32 की औसत से 3853 रन बनाए हैं। उनके नाम पर चार शतक और 29 अर्धशतक दर्ज हैं।

टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन की समीक्षा करेगा सीएसए

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप से टीम के जल्दी बाहर होने की समीक्षा के लिए पेनल का गठन करेगा और भारत में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले जरूरी सुधार के उपाय भी करेगा। दबाव के आगे घुटने टेकने वाले चोकर्स के ठप्पे के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले में नीदरलैंड से हार गया। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक एनोच एनवे ने कहा , हमें प्रदर्शन की समीक्षा करनी ही होगी। हम एक समिति का गठन करेंगे। उन्होंने कहा , फोकस रिसेट बटन दबाने पर होगा। हम इसे भुलाकर आगे के बारे में सोचेंगे और इसके लिए स्पष्ट रणनीति बनाई जाएगी। हम आगामी विश्व कप की बेहतर तैयारी करेंगे। हमेशा टूर्नामेंट से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम कभी वनडे या टी20 विश्व कप के फाइनल में नहीं पहुंची है। एनवे ने कहा , टीम जीते या हारे, हम टीम के साथ हैं लेकिन यह सवाल करते रहेंगे कि आगे क्या बेहतर किया जा सकता है।

विश्व कप से पहले आखिरी लीग मैच में हारी एटलेटिको

मैड्रिड। पिछले पांच मैचों में जीत से वंचित एटलेटिको मैड्रिड को स्पेनिश फुटबॉल लीग में मालोरका ने ।. 0 से हरा दिया। इस हार के बाद एटलेटिको विश्व कप के लिए ब्रेक से पहले तालिका में छठे स्थान पर खिसक गई। उसे शनिवार को कोपा डेल रे से खेलना है जिसके बाद विश्व कप के लिए ब्रेक हो जाएगा। एटलेटिको को एस्पियानोल ने ।.। से ड्रॉ पर रोका जबकि कैडिज ने उसे 3 . 2 से हराया। अन्य मैचों में सेविला को रीयाल सोशिडाड ने 2 .। से हराया जबकि विलारियाल ने एस्पियानोल को ।. 0 से मात दी।

सेमीफाइनल में हार के बाद विशेषज्ञों ने पावरप्ले में भारत के रवैए पर सवाल उठाए

एजेंसी ■ एडीलेड

पूर्व क्रिकेटर शेन वाटसन और नासिर हुसैन ने गुरूवार को यहां टी20 विश्व कप से भारत के शर्मनाक तरीके से बाहर होने के बाद टीम के डरपोक बल्लेबाजी रवैए की आलोचना की। एलेक्स हेल्स और जोस बटलर के नाबाद अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से हरा दिया। भारत ने ग्रुप चरण की तरह सेमीफाइनल में भी काफी धीमी बल्लेबाजी की और टीम शुरुआती छह ओवर में केवल 38 रन की बना सकी। इंग्लैंड का दृष्टिकोण इसके विपरीत था क्योंकि उन्होंने छह ओवर में 63 रन बनाए। टी20 विश्व कप से पहले भारत ने अधिक आक्रामक बल्लेबाजी रवैया अपनाया था लेकिन रोहित शर्मा और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ी बड़े मंच पर उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाए। भारतीय टीम इंग्लैंड को कोई टक्कर नहीं दे सकी।

एक साल पूर्व पिछले टूर्नामेंट में तो भारतीय टीम नॉकआउट में जगह भी नहीं बना पाई थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर वाटसन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, भारत ने बल्ले से काफी डरपोक रवैया अपनाया। दुर्भाग्य से रोहित और राहुल शुरुआती छह ओवर में गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रुख नहीं अपना पाए। उनके पास बड़े शॉट खेलने की क्षमता है लेकिन आपको टी20 क्रिकेट में आक्रामक रुख अपनाना होता है। उन्होंने कहा, हार्दिक आक्रामक रुख अपनाने में सफल रहे लेकिन भारत को छह से आठ ओवर पहले आक्रामक होना चाहिए था। जैसे ही इंग्लैंड के कप्तान बटलर ने विजई छक्का लगाया, नासिर हुसैन ने कमेंटरी करते हुए टिप्पणी की, भारत शुरुआत से ही डरा हुए था और इंग्लैंड ने उन्हें रौंद दिया। भारत के पूर्व चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने भी मुकाबले का ईमानदारी से मूल्यांकन किया। कोहली और सूर्या के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए सरनदीप ने पीटीआई से कहा, दुर्भाग्य से भारत के लिए राहुल और रोहित बड़े मैचों में फॉर्म नहीं पा सके जिससे विराट और सूर्यकुमार पर दबाव बन गया। ए दोनों हालांकि प्रत्एक मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते।

विश्व कप में नाकामी के बावजूद सभी प्रारूपों में खेलते रहना चाहते है विलियमसन

एजेंसी ■ सिडनी

लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने से वंचित रहने के बावजूद न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का क्रिकेट के किसी प्रारूप को अलविदा कहने का इरादा नहीं है। मौजूदा विश्व कप में बल्ले से कोई कमाल नहीं कर सके विलियमसन की टी20 टीम में जगह को लेकर सवाल उठने लाजमी है। न्यूजीलैंड लगातार पांचवें सीमित ओवरों के विश्व कप से सेमीफाइनल में पहुंचने के बावजूद नाकाम लौटी है। विलियमसन ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान से सात विकेट से मिली हार के बाद कहा , मुझे सभी प्रारूपों में खेलना पसंद है।इतनी क्रिकेट खेली जा रही है लिहाजा सही प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा , हमने अलग अलग फाइनल्स खेले और अच्छा प्रदर्शन भी किया। हम जीत सकते थे लेकिन बेहतर टीमों से हारे। एक टूर्नामेंट हारने के बाद आप दूसरे पर फोकस करते हैं। उन्होंने कहा , मेरा तो यही मानना है। हमारा सफर अच्छा रहा है। हमने अच्छी क्रिकेट खेली है और इसे बरकरार रखना है। भारतीय टीम 18 नवंबर से न्यूजीलैंड दौरे पर तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलेगी।

विश्व कप | इंग्लैड ने 10 विकेट की धमाकेदार जीत से फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रविवार को पाकिस्तान से होगा।

नशीली दवा की जांच के बाद हेल्स का टी20 विश्व कप में सफलता का सफर

एजेंसी ■ एडीलेड

कुछ महीनों पहले तक एलेक्स हेल्स इंग्लैंड के टी20 विश्व कप अभियान की योजना में भी शामिल नहीं थे लेकिन अब वह इस टूर्नामेंट में टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं। रिक्रिएशनल (नशे के लिए) ड्रग जांच में विफल होने के बाद इंग्लैंड की 2019 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद हेल्स ने तीन साल क्रिकेट से बाहर अकेलेपन में गुजारे। वह केपटाउन में अपनी महिला मित्र के साथ चार हफ्ते के लिए छुट्टियों पर थे और भाग्य में कुछ और ही लिखा था। जॉनी बेयरस्टो को सितंबर में गोल्फ खेलते हुए टखने की गंभीर चोट लग गई और वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गए जिससे पारी आगाज करने के लिए टीम में स्थान खाली हो गया। और एलेक्स को मौका मिला जिन्होंने दोनों हाथों से इसे लपककर यहां चल रहे टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन दिखाया जिसमें गुरूवार को सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ खेली गई 47 गेंद में 86 रन की नाबाद पारी भी शामिल है। इंग्लैंड ने 10 विकेट की धमाकेदार जीत से फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रविवार को पाकिस्तान से होगा। इंग्लैंड के लिए 2011 में पदार्पण करने वाले 33 वर्षीय हेल्स ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर विश्व कप में खेलूंगा और मौका मिलना एक विशेष अहसास है। ड्रग जांच के बाद इंग्लैंड प्रबंधन के साथ उनके रिश्ते बिलकुल ही खत्म हो गए थे। उन पर 2019 विश्व कप से पहले तीन हफ्ते का निलंबन लगा जो महीनों से वर्षों (तीन साल) में बदल गया जिससे उनकी अनदेखी 2021 टी20 विश्व कप में भी जारी रही। इंग्लैंड के लिए 11 टेस्ट और 70 वनडे चुके हेल्स ने अपना ध्यान छोटे प्रारूप में लगाना शुरू किया। वह 2018 में आईपीएल में छह मैचों में खेले, फिर पीएसएल, सीपीएल, बीबीएल और द हंड्रेड में भी। तीन साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद हेल्स इंग्लैंड के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2011 से 2022 तक तीसरे सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं।

बेयरस्टो की चोट के बाद हेल्स को पाकिस्तान के खिलाफ सात मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया जिसके बाद वह टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया में दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेले। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अनुभव का उन्हें फायदा मिला और वह इस विश्व कप में टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 148.59 के स्ट्राइक रेट से 52.76 के औसत से 211 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की न्यूजीलैंड और श्रीलंका पर जीत में उनकी क्रमशः 52 और 47 रन की पारियां अहम रहीं।

अगले साल टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ■ जोहानिसबर्ग

भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2023 टी20 विश्व कप से पहले मेजबान दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ 19 जनवरी से दो फरवरी 2023 के बीच त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा लेगी। ए त्रिकोणीय श्रृंखला दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टी20 विश्व कप की टीम की तैयारियों का हिस्सा होगी। त्रिकोणीय श्रृंखला के सभी मुकाबले ईस्ट लंदन के बफेलो पार्क क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज 2016 टी20 विश्व चैंपियन है जबकि भारत 2020 में इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उप विजेता रहा था। त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह बनाने के लिए सभी टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। विश्व कप का आयोजन 10 से 26 फरवरी तक केपटाउन, पार्ल और गबेरहा में किया जाएगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के क्रिकेट निदेशक इनोच एनक्वे ने बयान में कहा, 2023 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए क्रिकेट जगत की नजरें दक्षिण अफ्रीका पर होंगी। हम भारत और वेस्टइंडीज का अपने देश में स्वागत करते हैं जबकि मुख्य कोच हिल्टन मोरींग और उनकी टीम फरवरी में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए अपनी तैयारी पूरी करेगी। उन्होंने कहा, ए दो टीम महिला टी20 क्रिकेट के सबसे प्रतिभावान और मनोरंजक देशों में से हैं। इन्होंने पिछले चार फाइनल में से दो में जगह बनाई है और वेस्टइंडीज ने 2016 में खिताब जीता। त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में 19 जनवरी को भारत की भिड़ंत मेजबानी दक्षिण अफ्रीका से होगी।

हॉलीवुड ...

‘अवतार 2’

की रिलीज से पहले जॉन लैंडो ने दिखाया भारत के लिए प्यार

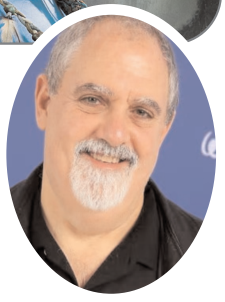

हॉलीवुड के बेहतरीन फिल्मों में से एक अवतार– द वे ऑफ वॉटर का नाम आते ही लोगों के दिलों में इसको लेकर उत्सुकता जाग उठाती है। जेम्स कैमरून के निर्देशन में बनी इस आगामी फिल्म की रिलीज की उल्टी गिनती अब शुरू हो चुकी है और इसमें अब एक महीना का समय रह गया है। हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक अवतार 2 साल के अंत में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अवतार के पहले पार्ट के ब्लॉबस्टर होने के बाद से ही फैंस इसका से इंतजार कर रहे हैं। इनमें फिल्म के भारतीय प्रशंसक भी शामिल हैं। दूसरे पार्ट में दर्शकों को एक अलग ही दुनिया की सैर देखने को मिलेगी, जिससे पहले ही फिल्म के प्रोड्यूसर जॉन लैंडौ ने भारत के लिए अपना प्यार दिखाया है।

साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म अवतार के दूसरे पार्ट अवतार– द वे ऑफ वॉटर की रिलीज से पहले, निर्माता जॉन लैंडौ ने सोशल मीडिया के जरिए एक स्पेशल मैसेज से भारत के लिए अपना प्यार दिखाया। ऑस्कर विजेता निर्माता जॉन लैंडौ निर्देशक जेम्स कैमरन के साथ मिलकर ग्लोबल सिनेमा के इतिहास में सिनेमा जगत को बहुत सी पॉपुलर और प्रतिष्ठित फिल्में दे चुके हैं। दोनों की आगामी फिल्म अवतार 2 16 दिसंबर को दुनियाभर के कई देशों में रिलीज होने जा रही है। ऐसे में जॉन ने सोशल मीडिया पर भारतीय संस्कृति और देश के प्रति उनके लगाव को जाहिर करते हुए एक स्पेशल नोट साझा किया। इतना ही नहीं जॉन ने कन्नड़ भाषा में फिल्म का ट्रेलर भी लॉन्च किया।

जॉन लैंडो ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर भारतीयों को संबोधित करते हुए लिखा,नमस्ते इंडिया! मैं आपको देखता हूं। मुझे आपकी विविधता अचंभित करती रहती है। मैं आपको छह भाषाओं – अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में अवतार द वे ऑफ वॉटर का अनुभव करते देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। आइए 16 दिसंबर को पैंडोरा की वापसी का जश्न मनाएं। कृपया में कन्नड़ ट्रेलर का आनंद लें। हॉलीवुड के महान निर्देशक जेम्स कैमरून की इस इंटरगैलेक्टिक एपिक फिल्म का पहला पार्ट साल 2009 में आया था और इसी दौरान फिल्म के दूसरे पार्ट की घोषणा भी कर दी गई थी। लेकिन जेम्स कैमरून को अवतार 2 के आइडिया को कैनवास पर उतारने में लगभग 13 साल लग गए। लेकिन पिछले दिनों रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर ने आते ही इंटरनेट पर धमाल मचा दिया था। आपको बता दें, अवतार– द वे ऑफ वॉटर 16 दिसंबर को इंग्लिश, हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगू और मलयालम में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

हिप-हॉप स्टार स्नूप डॉग के जीवन पर बनेगी फिल्म

यूनिवर्सल पिक्चर्स ने हिप-हॉप स्टार और पॉप आइकन स्नूप डॉग के जीवन पर एक फिल्म बनाने का फैसला किया है। यह फिल्म स्नूप डॉग के जीवन पर बन रही पहली बायोपिक होगी, जो उनके जीवन को दर्शाएगी। यह फिल्म स्नूप के नए प्रोजेक्ट डेथ रो पिक्चर्स के तहत पहली फिल्म होगी, जिसमें एलन ह्यूजस को निर्देशन की कमान ही गई है। फिल्म की स्क्रिप्ट जो रॉबर्ट कोल द्वारा लिखी गई है। इस फिल्म को स्नूप ह्यूज और सारा रमेकर के साथ मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। इस फिल्म के एलान के बाद स्नूप ने कहा, मैंने इस को पूरी तरह से तैयार करने के लिए लंबे समय तक इंतजार किया है क्योंकि मैं सही निर्देशक और एक आदर्श लेखक को चुनना चाहता था। इसके साथ ही मैं सबसे बड़ी फिल्म कंपनी के साथ साझेदारी करना चाहता था, जो उस विरासत को समझ सके जिसे मैं स्क्रीन पर लाने की कोशिश कर रहा था। रिलीज की गई फोटो स्नूप की डेथ रो पिक्चर्स की पहली फिल्म की है, जिसमें उनके बड़े पैमाने पर उनका संगीत शामिल होगा। हिप-हॉप सुपरस्टार ने साल की शुरुआत में एमएनआरके म्यूजिक ग्रुप से पैसों में डेथ रो ब्रांड खरीदा था, जिसे निजी इक्विटी समूह ब्लैकस्टोन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यूनिवर्सल पिक्चर्स के चेयरमैन डौना लांग्ले ने कहा, स्नूप डॉग का जीवन और उनकी लेगेसी उन्हें एक पॉपुलर आइकन बनाती है। डेथ रो रिकॉर्ड्स हासिल करने के तुरंत बाद हम स्नूप से मिले, जिसके दौरान हमें उनकी कहानी को उनके शब्दों में सुनने का अवसर मिला। हम बहुत खुश हैं कि हमें एक अद्भुत कलाकार के जीवन पर एक फिल्म बनाने का मौका मिला।

> फिल्म के एलान के बाद स्नूप ने कहा, मैंने इस को पूरी तरह से तैयार करने के लिए लंबे समय तक इंतजार किया है क्योंकि मैं सही निर्देशक और एक आदर्श लेखक को चुनना चाहता था।

गवाह से आरोपी बनीं

जैकलीन

जैकलीन फर्नांडिस की आज दिल्ली के स्पेशल कोर्ट में 200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई थी। आज जैकलीन की बेल पर फैसला होना था। हालांकि एक लंबे डिस्कशन के बाद दिल्ली कोर्ट ने इस मामले में कहा कि वे अब फैसला कल सुनाएंगे। जैकलीन के वकील ने ई टाइम्स से बात करते हुए कहा, ईडी की शिकायत दर्ज होने के बाद जैकलीन को दिल्ली कोर्ट के सामने पेश होना पड़ा। कोर्ट ने पेशी की पहली तारीख को ही जैकलीन को अंतरिम जमानत दे दी थी। वहीं आज एक्ट्रेस की ओर से दायर जमानत अर्जी पर आज अंतिम सुनवाई के लिए मामला रखा गया था। ईडी ने जमानत अर्जी का विरोध किया था। इसके बाद हमने उनकी जमानत के लिए भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अब फैसला कल सुनाया जाएगा।

कोर्ट में हुई बहस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट में ईडी की ओर से और जैकलीन की ओर से काफी बहसबाजी देखने को मिली है। एक ओर जहां ईडी ने आरोप लगाया कि जैकलीन सपोर्ट नहीं कर रही हैं तो दूसरी ओर जैकलीन के वकील ने कहा कि वो पांच बार बयान दर्ज करवा चुकी हैं। वहीं सुकेश से मिले महंगे गिफ्ट्स पर एक्ट्रेस के वकील ने कहा कि सेलेब्स को अक्सर गिफ्ट्स मिलते हैं,ऐसे में कौनसा किसने दिया और किस पैसे से दिया इस बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। जानकारी के मुताबिक इस पर कोर्ट ने कहा कि तो क्या आप किसी से भी कितने महंगे तोहफे ले लेती हैं? ईडी ने ये भी आरोप लगाया कि जैकलीन विदेश भागने की फिराक में हैं, जिस पर एक्ट्रेस के पक्ष से कहा गया किउन्हों तो खुद ही कोर्ट में सरेंडर किया तो भागने का सवाल ही नहीं पैदा होता।

जैकलीन ने नहीं किया सपोर्ट

याद दिला दें कि इससे पहले बीते 26 सितंबर को जैकलीन को कोर्ट ने 50 हजार रुपये के मुचलके पर अंतरिम जमानत दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी सप्लिमेंट्री चार्जशीट में जैकलीन फर्नांडिस को आरोपी बनाया था। इससे पहले कोर्ट में जैकलीन भी अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई की पेशी के दौरान मौजूद रही थीं। तब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया था। ईडी ने कहा था कि जैकलीन ने जांच में कभी सहयोग नहीं किया। जब जांच में सबूत सामने आ गए तब उन्होंने खुलासा किया। ईडी का जैकलीन पर आरोप है कि उन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ की थी। उन्होंने अपने मोबाइल का डेटा डिलीट कर दिया था। यही नहीं वह जांच के दौरान देश छोड़ने की कोशिश में भी थीं। एलओसी जारी होने की वजह से वह सफल नहीं हो पाईं। बता दें कि जैकलीन पर आरोप है कि वह सुकेश चंद्रशेखर की गतिविधियों के बारे में जानती थीं। इन सबके बावजूद वह उनके साथ रहीं। जैकलीन ने सुकेश से करीब 7 करोड़ की कीमत के महंगे गिफ्ट लिए थे। इनमे लग्जरी वस्तुएं शामिल थीं। केवल जैकलीन ही नहीं सुकेश ने उनके परिवार की भी आर्थिक रूप से मदद की थी। उनके अलावा मामले में नोरा फतेही का नाम भी सामने आया। दोनों अभिनेत्रियों का नाम ईडी की पहली चार्जशीट में गवाह के तौर पर शामिल था। जबकि बाद में जैकलीन को मामले में आरोपी बनाया गया।

गौरतलब है कि अगस्त में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ ठग सुकेश चंद्रशेखर को लेकरअपनी चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में बताया गया है कि जैकलीन के कहने पर सुकेश ने उनकी बहन गेराल्डिन के अकाउंट में करीब एक लाख 73 हजार अमेरिकी डॉलर, भाई वॉरेन फर्नांडिस के अकाउंट में 26,470 ऑस्ट्रेलियन डॉलर्स ट्रांसफर किए। वहीं पैरेंट्स के लिए दो महंगी कारें– मासेराती और पोर्श, और एक्ट्रेस को ढेर सारे अन्य तोहफे दिए। ईडी ने ये भी बताया कि फरवरी 2021 में स्टाफ द्वारा जानकारी सुकेश के क्रिमिनल रिकॉर्ड्स की जानकारी जैकलीन को मिली थी, लेकिन उसके बाद भी तोहफे और कैश का सिलसिला जुलाई तक चलता रहा, जब तक दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया था। ईडी ने ये भी साफ किया है कि जैकलीन का बयान 5 बार लिया गया और हर बार उन्होंने फैक्ट्स संग छेड़छाड़ कर जानबूझकर के अलग ही बात बताई है।

रश्मिका मंदाना

को करना पड़ रहा ट्रोलिंग और नफरत का सामना

रश्मिका मंदाना भले ही साउथ एक्ट्रेस हैं, लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी हर इंडस्ट्री में बढ़ी हुई है। रश्मिका को नेशनल क्रश तक का टैग मिला हुआ है। हाल ही में रश्मिका ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी डेब्यू किया है। रश्मिका को काफी पसंद किया जाता है, लेकिन उन्हें इतने प्यार के साथ नेगेटिविटी का भी सामना करना पड़ता है। रश्मिका ने अब सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स और उन्हें नेगेटिव कमेंट्स करने वालों को लेकर पोस्ट किया है जो वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस के इस पोस्ट को पढ़कर पता लग रहा है कि शायद वह काफी समय से इसे सह रही हैं और अब वह इसे और कंट्रोल नहीं कर पाईं। रश्मिका ने दरअसल अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वह बोट पर बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ है और वह एक तरफ ध्यान से देख रही हैं।

फोटो शेयर कर रश्मिका ने लिखा, कुछ चीजें मुझे कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या सालों से परेशान कर रही है और मुझे लगता है कि अब सही समय आ गया है इन पर बात करने का। मैं सिर्फ अपने बारे में बोलना चाहती हूं जो मुझे सालों पहले कर देना चाहिए था। मैंने जबसे अपने करियर की शुरुआत की है तबसे मुझे काफी नफरत का सामना करना पड़ा है। मैं समझती हूं कि मैंने अपने लिए ये लाइफ चुनी है जिसमें मुझे अलग-अलग रिएक्शन मिलेंगे। सभी मुझे पसंद नहीं करेंगे। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप मेरे लिए गलत बोलो और नेगेटिविटी फैलाओ।

मेरी बातों को गलत प्रेजेंट करते

रश्मिका ने आगे लिखा कि इंटरनेट पर कई बार उन्हें उन चीजों को लेकर ट्रोल किया है जो उन्होंने कभी कही भी नहीं है। इंटरव्यूज में कही गई मेरी बातों को गलत तरीके से वायरस किया जाता है। इससे ना सिर्फ मुझपर बल्कि इंडस्ट्री के अंदर और बाहर के लोगों के साथ मेरे रिश्ते पर भी असर पड़ता है। मैं कंस्ट्रक्टिव रिव्यू एक्सेप्ट करती हूं लेकिन नेगेटिव ट्रेलिंग को नहीं। मुझे काफी बार बोला गया कि इसे नजरअंदाज करो लेकिन चीजें और खराब हो रही हैं। चुप रहकर मैं गलत बोलने वाले लोगों को नहीं जीतने देने वाली। हालांकि मैं इन सब नफरत से खुद को बतौर इंसान नहीं बदलने वाली।

आपका प्यार आगे बढ़ाता है

आखिर में फिर एक्ट्रेस ने लिखा, मुझे पता है कई लोग मुझसे प्यार करते हैं और उनका प्यार ही मुझे हिम्मत देता है। इसी ने मुझे हिम्मत दी है आज बोलने की। मेरे मन में सभी के लिए प्यार है जो मेरे आस-पास हैं जिनके साथ मैं रहती हूं, काम करती हूं । मैं आप लोगों के लिए खूब मेहनत से काम करूंगी क्योंकि जैसा कि मैं कहती हूं कि आपको खुश करने से ही मैं खुश होती हूं।

रश्मिका की फिल्में

रश्मिका के पास अभी कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं जिसमें 2 बॉलीवुड फिल्में भी हैं। मिशन मजनू और एनिमल के अलावा रश्मिका के पास पुष्पा 2 भी है। मिशन मजनू में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। वहीं एनिमल में वह रणबीर कपूर, परिणीति चोपड़ा और अनिल कपूर के साथ अहम किरदार में हैं। पुष्पा 2 में वह अल्लू अर्जुन के साथ धमाल मचाएंगी। बता दें कि इस फिल्म के पहले पार्ट पुष्पा को काफी पसंद किया गया था।

दीपिका पादुकोण के बॉलीवुड में पूरे हुए 15 साल

बॉलीवुड के किंग ऑफ रोमांस कहलाने वाले अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम आज से 15 साल पहले रिलीज हुई थी। इस फिल्म के साथ ही दीपिका पादुकोण ने डेब्यू किया था और पहली ही फिल्म में अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अदाकारी से दीपिका ने बता दिया था कि वो आने वाले वक्त में इंडस्ट्री पर अपनी धाक जमाने वाली हैं। दीपिका ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपना दमखम दिखाया है। खास बात ये है कि दीपिका पादुकोण ने न सिर्फ एक बार बल्कि कई मौकों पर भारत को ग्लोबल लेवल पर खास पहचान दिलाई हैं। इस खास मौके पर एक नजर डालते हैं दीपिका पादुकोण की उन गौरवपूर्ण उपलब्धियों पर जिन्हें पिछले15 सालों में उन्होंने हासिल किया हैं और कैसे वह न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में एक प्रेरणा बनी हुई है। 75वें कान्स फिल्म फेस्टिवल जूरी में भारत का प्रतिनिधित्व करना– अपने 15वें वर्ष में, दीपिका पादुकोण को 75वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए विशेष और बहुत ही शानदार जूरी का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। प्रेस को दिए एक बयान में, कान्स ने आइकन को भारतीय अभिनेत्री, निर्माता, फ्लैन्थ्रोफिस्ट और एंटरप्रेनर के रूप में डिस्क्राइब किया गया, जो अपने देश में एक बहुत बड़ी स्टार है। दुनिया की 10 सबसे खूबसूरत महिलाओं में एकमात्र भारतीय एक्ट्रेस– दीपिका पादुकोण को हाल ही में किम कार्दशियन, बेला हदीद, बेयॉन्से और एरियाना ग्रांडे के साथ एक वैज्ञानिक द्वारा दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं का फैसला करने के लिए गोलड्न रेशियो ऑफ ब्यूटी नाम की ग्रीक तकनीक का उपयोग करके 10 सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक के रूप में लिस्ट में पेश किया गया था। सबसे दिलचस्प बात यह है कि दीपिका पादुकोण इस बेहद प्रतिष्ठित गोल्डन रेशियो ऑफ ब्यूटी लिस्ट में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय हैं, जिसमें फिजिकल परफेक्शन निर्धारित करने के लिए फॉर्मूले लागू होते हैं। भारत की सबसे बड़ी ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर– दीपिका पादुकोण इकलौती भारतीय हैं जिन्हें लुइस वुइटन और कार्टियर जैसे लक्जरी ब्रांड्स के साथ लेविस और एडिडास जैसे दिग्गज पॉप कल्चर ब्रांड ने भी ग्लोबल फेस के रूप में चुना गया है। टाइम मैगज़ीन द्वारा दो बार सम्मानित होने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस– दीपिका पादुकोण 2022 के टाइम 100 इम्पैक्ट अवार्डी के रूप में वैज्ञानिकों और सीईओ, कलाकारों और कार्यकर्ताओं, पॉप सितारों और राजनेताओं सहित विश्व के लीडर्स में शामिल हुईं। ये कुछ ऐसे लीडर्स है जिन्होंने अपनी लगातार कोशिश के जरिए असाधारण काम किया है अपनी इंडस्ट्री और दुनिया के भविष्य को बड़े पैमाने पर आकार दिया। दुबई में म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर में जहां उन्हें उनके शानदार काम के लिए सम्मानित किया गया जिसने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित और प्रभावित किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह दीपिका पादुकोण को टाइम मैगज़ीन द्वारा दो बार सम्मानित होने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनाती है।

एक्सप्रेस न्यूज

आजम खान की सजा के खिलाफ अपील खारिज

रामपुर, (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। रामपुर की सेशन कोर्ट ने खान को मिली तीन साल की सजा के खिलाफ की गई अपील को खारिज कर दिया। इसके साथ ही रामपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार आजम खान की रामपुर सदर सीट के लिए 10 नवंबर को जारी होने वाली उप-चुनाव की अधिसूचना को एक दिन रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सेशन कोर्ट को आदेश दिया था कि वो सजा के खिलाफ आजम की अपील पर गुरुवार सुनवाई करे और उसी दिन फैसला करे।

डिवाइडर से टकराकर कार दुर्घटनाग्रस्त, तीन घायल

अलवर, (एजेंसी)। भरतपुर जिले के सीकरी थाना क्षेत्र में एक कार डिवाइडर में जा टकराने से एक कांस्टेबल सहित तीन व्यक्ति घायल हो गए। दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अलवर के राजीव गांधी सामान्य अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया। घायल कमल सिंह ने बताया की वह पहाड़ी थाने में कास्टेबल है। थाने के काम से साथी वकील मुकेश कुमार और रिंकू के साथ हाईकोर्ट जयपुर गए थे। उसके बाद कास्टेबल जयपुर अपने बच्चों से मिलने गया जहां उसको रात हो गई। उसके बाद कांस्टेबल रात को ही कार लेकर अपने घर गोपालगढ़ नापदा के लिए निकल लिए। कार कास्टेबल कमल सिंह चला रहे थे। अचानक उनको नींद की झपकी आ गई और कार गोपालगढ़ रोड पर डिवाइडर स जा टकराई।

श्रीलंका सरकार में शामिल होने सीडब्ल्यूसी तैयार

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका में चाय उगाने वाले पहाड़ी क्षेत्रों पर बसे भारतीय तमिलों के समर्थन वाली सिलोन वर्कर्स कांग्रेस (सीडब्ल्यूसी) ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार में शामिल होने का संकेत दिये हैं। सीडब्ल्यूसी के महासचिव जीवन थोंडामन ने बताया कि उनकी पार्टी ने विक्रमसिंघे कैबिनेट विभाग को स्वीकार करने की इच्छा के बारे में सूचित कर दिया। हालांकि सीडब्ल्यूसी का उनको जाने वाले विभाग के आधार पर सरकार में शामिल होना निर्भर होगा। उनकी पार्टी यह महसूस करती है कि श्री विक्रमसिंघे देश में तमिलों के मुद्दों को हल करने में मदद कर सकते है।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 14 तक बढ़ी

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के सत्र जुलाई 2022-23 के लिए प्रवेश की तिथि 14 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने लिया। कुलपति प्रोफेसर सिंह के इस निर्णय से प्रवेश के इच्छुक ऐसे छात्रों को भी लाभ मिलेगा, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रवेश शुल्क अभी तक जमा नहीं कर पाए हैं। यह प्रवेशार्थियों के लिए अंतिम मौका होगा। मुक्त विश्वविद्यालय में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है।

आज का इतिहास

- 1675: गुरु गोबिन्द सिंह सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे।
- 1888: शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलम आजाद का जन्म।
- 1905: द प्रिंस ऑफ वेल्स ने द प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय की नींव रखी थी।
- 1913: स्वतंत्रता सेनानी तारकनाथ दास ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को शहर में गदर आंदोलन की शुरुआत की।
- 1918: पोलैंड ने खुद को स्वतंत्र देश घोषित किया।
- 1926: भारतीय हास्य अभिनेता जॉनी वॉकर का जन्म।
- 1936: हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री माला सिन्हा का जन्म।
- 1937: अमेरिका के क्लिंटन डेविसन और इंग्लैंड के सर जी पी थॉमसन को भौतिकशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

दिल्ली शराब केस में दो और गिरफ्तारियां

फार्मा कंपनी के एमडी शरथ रेड्डी को ईडी ने पकड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में जांच एजेंसी की कार्रवाई लगातार जारी है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस घोटाले के एक और आरोपी शरथ रेड्डी को गिरफ्तार किया है। शरथ रेड्डी की गिरफ्तारी जांच एजेंसी के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि शरथ रेड्डी विजय साई रेड्डी का करीबी है। बता दें कि शरथ रेड्डी अरविंदो फार्मा कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इस घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में ही शरथ रेड्डी को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी शरथ रेड्डी के ठिकानों पर पहले छापेमारी कर चुकी है और उनसे दो बार पूछताछ भी कर चुकी है। इस केस में जांच एजेंसी ने अब तक कई अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। सितंबर के महीने में एजेंसी ने शराब बनाने वाली कंपनी इंडोस्प्रिट के एमडी समीर महेंद्र को गिरफ्तार किया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कारोबी शरथ रेड्डी के अलावा एक अन्य कारोबारी विनय बाबू को भी ईडी के द्वारा गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। इस चर्चित घोटाले को लेकर जांच एजेंसी लगातार आरोपियों की धर-पकड़ कर रही है। इस बीच मामले के आरोपी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सहयोगी और बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा के सरकारी गवाह बनने की भी खबरें सामने आई हैं। निश्चित है अगर दिनेश अरोड़ा मामले में अंत तक सरकारी गवाह बने रहते हैं तो मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

चीन सीमा तक पटरियां बिछाएगा रेलवे

गुवाहाटी, (एजेंसी)। भारतीय सेना को चीन सीमा तक आसानी से पहुंचाने भारतीय रेलवे अपनी विस्तार योजनाओं को नई गति दे रही है। इस क्रम में भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने की कवायद में अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा तक सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के अलावा पड़ोसी भूटान तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि इन विस्तार योजनाओं के तहत अरुणाचल प्रदेश में नई रेलवे परियोजनाओं के लिए रेलवे ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण जोरों शोरों से शुरू कर दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे जोन ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है।

लाइन लगभग 58 किमी लंबी होगी नई लाइन

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने यह भी बताया कि हमारी योजना पड़ोसी देश भूटान तक अपनी रेल लाइनों को ले जाना है। उन्होंने कहा कि हमने रेलवे के माध्यम से भूटान को जोड़ने की योजना बनाई है और नई रेलवे लाइन कोकराझार (असम में) से भूटान के गेलेफू तक होगी। यह नई रेलवे लाइन लगभग 58 किमी लंबी होगी।

बाढ़ और भूस्खलन में उखड़ गए रेलवे ट्रैक

इस साल की शुरुआत में बाढ़ और भूस्खलन से दीमा हसाओ के कुछ हिस्से में रेलवे ट्रैक उखड़ गए थे। उन रेलवे ट्रैक्स की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर किया गया है। जिसके बाद वहां, ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई रेलवे परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें नई रेलवे लाइनों का निर्माण, लाइनों का दोहरीकरण, स्टेशन विकास, विद्युतीकरण शामिल है। इन परियोजनाओं को 1.15 लाख करोड़ से अंजाम दिया जा रहा है।

महाठग ने बताया, जेल में पिटाई हुई, प्राइवेट पार्ट में आई चोट

सुकेश ने फिर लिखा खत, दूसरी जेल में शिफ्ट करने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक और चिट्ठी लिखी है। सुकेश ने उसे और अपनी पत्नी को दिल्ली के बाहर किसी और जेल में शिफ्ट करने की मांग की है। सुकेश ने आरोप लगाया है कि उसके द्वारा आम आदमी पार्टी के नेताओं पर आरोप लगाए जाने के बाद उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं तथा उस पर दबाव मनाया जा रहा है। एलजी को लिखी चिट्ठी में सुकेश ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे जेल के अंदर सीआरपीएफ के जवान प्रताड़ित कर रहे हैं।

ठग सुकेश ने अपने वकील के माध्यम से लिखे गये खत में कहा है कि वो मंडोली जेल में फिलहाल एक अंडर ट्रायल कैदी है। उसकी पत्नी भी इसी जेल में बंद है। सुकेश चंद्रशेखर ने कहा है कि सत्येंद्र जैन, अरविंद केजरीवाल और कैलाश गहलोत जैसे आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के खिलाफ शिकायत करने के बाद से मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। मैंने आर्थिक अपराध शाखा और प्रवर्तन निदेशालय के सामने जो शिकायत दर्ज करवाई है उसे वापस लेने का दबाव लगातार बनाया जा रहा है।

उपराज्यपाल को लिखा है तीसरा पत्र

महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को तीसरा पत्र लिखा है। इसमें उसने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और जेल डीजी संदीप गोयल से अपनी जान को खतरा बताया है। उसका आरोप है कि जैन और गोयल की तरफ से उसे लगातार धमकी मिल रही है। अपने तीसरे पत्र में सुकेश ने सत्येंद्र जैन और संदीप गोयल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही पूरे मामले की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग की है। इससे पहले के पत्र में उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा था कि अगर मैं सबसे बड़ा ठग हूं तो फिर आपने मुझसे 50 करोड़ रुपए क्यों लिए थे? आपने मुझे और कारोबारियों को पार्टी के साथ जोड़कर 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए क्यों कहा था? मुझे कर्नाटक में पार्टी में बड़ा पद देने का ऑफर क्यों दिया जा रहा था?

पत्नी को भी लगातार मिल रही है धमकी

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने यह कहा है कि उनकी पत्नी को भी लगातार धमकी मिल रही है। इसके अलावा जेल के वरिष्ठ अफसर उन्हें गालियां देते हैं और कहते हैं कि वो अपनी पति को इस बात के लिए राजी करे कि वो अपने आरोप वापस ले लें। सुकेश चंद्रशेखर ने मांग की है कि इन हालातों को देखते हुए उसे और उसकी पत्नी को दिल्ली की जेल से हटाकर देश के अन्य किसी भी जेल में बेज दिया जाए। सुकेश चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि हाल ही में 31 अगस्त जेल के अंदर सीआरपीएफ अफसरों ने उनसे मारपीट की है। इसकी वजह से उनके प्राइवेट पार्ट में चोट आई है। सुकेश का दावा है कि उनका इलाज भी आरएमएल अस्पताल और जीटीबी अस्पताल में चला था।

सुकेश चंद्रशेखर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में

सुकेश चंद्रशेखर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है। उसने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक के बाद एक कई चिट्ठियां लिख कर आम आदमी पार्टी के नेताओं पर अब तक कई गंभीर लगाए हैं। सबसे पहले जो चिट्ठी सुकेश ने एलजी को लिखी थी उसमें आरोप लगाया था कि केजरीवाल सरकार के जेल मंत्री सत्येंद्र जैन ने तिहाड़ में उससे प्रोटेक्शन मनी के तौर पर 10 करोड़ रुपए वसूले हैं। इसके अलावा उसने यह भी आरोप लगाया था कि राज्यसभा का टिकट दिलाने के नाम पर उससे 50 करोड़ रुपए लिए गए हैं।

यूएस वीजा चाहने वाले भारतीयों के लिए गुड न्यूज

अमेरिका ने उठाया कदम, वेटिंग पीरियड बहुत जल्द होगा नॉर्मल

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी वीजा की चाहत रखने वाले भारतीयों के लिए खुशखबरी है। एक तरफ जहां वीजा के लिए वेटिंग पीरियड कम किया जा रहा है। वहीं, एक लाख नए वीजा स्लॉट भी खोले गए हैं। इस दिशा में कुछ अहम कदम उठाए जा चुके हैं और नियमों में बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा एच और एल वर्क वीजा के लिए 100,000 स्लॉट भी खोले गए हैं। अमेरिकी एंबेसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी है। इस साल अमेरिका ने भारतीय छात्रों को 82,000 स्टूडेंट वीजा जारी किया है। इसके बाद अगली प्राथमिकता अन्य वीजा से जुड़े वेटिंग पीरियड को खत्म करनी है। इनमें एच और एच कैटेगरी के अनिवासी वर्क वीजा के साथ प्रतिष्ठित एच-1बी वीजा, बी-1 बिजनेस वीजा, बी-2 टूरिज्म वीजा और शिपिंग व एयरलाइंस कंपनियों के क्रू के लिए वीजा भी शामिल हैं।

पहले क्लियर होगी पेंडेंसी

अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका शुरुआत में इन श्रेणियों में अप्लाई करने वालों पर आक्रामक ढंग से फोकस करेगा। इसके लिए ड्रॉप बॉक्स सुविधा का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा फर्स्ट टाइम अप्लाई करने वालों से पहले उन्हें तरजीह दी जाएगी उन्हें पहले वीजा दिया जा चुका है। इंटरव्यू क्लियर करने वाले सभी लोगों को वीजा जारी किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक कोशिश हो रही है कि वेटिंग पीरियड जितना हो सके कम किया जाए। साल 2023 के जून-जुलाई तक इस लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश रहेगी। इसके अलावा प्राथमिकता अमेरिका में मौजूद एच-1बी वीजा होल्डर भारतीयों को दी जाएगी, जो परिवार से मिलने के लिए देश आना चाहते हैं। इसके बाद पहली बार अप्लाई करने वालों पर फोकस किया जाएगा।

बढ़ा रहे हैं कर्मचारी

अमेरिकी सरकार के अन्य विभागों से इतर, वीजा जारी करने वाला ब्यूरो ऑफ कॉन्सुलर अफेयर्स खुद से रेवेन्यू जेनरेट करता है। कोरोना के चलते वीजा ऑपरेशन और रेवेन्यू में कमी आई है, इस वजह से विभाग में कर्मचारियों की संख्या भी कम करनी पड़ी थी। इसलिए भारत समेत अन्य देशों से वीजा अप्लीकेशन में इजाफा होने के बाद यह विभाग अपने यहां कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी करेगा। अधिकारी ने बताया कि विदेशों में विभाग के कर्मचारियों की संख्या में इजाफा होने में थोड़ा वक्त लगेगा। भारत में गर्मियों तक स्टाफ 100 परसेंट हो जाएगा। अमेरिका भी इस कोशिश में लगा हुआ है। इसके लिए अस्थायी कर्मचारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही भारतीयों के अप्लीकेशंस को प्रोसेसिंग के लिए रिमोट लोकेशंस पर भेजा जा रहा है, खासतौर पर उनके जो ड्रॉप बॉक्स फैसिलिटी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

हरियाणा के राज्यपाल ने किया एनयूजे की मुहिम का समर्थन

हैदराबाद। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की फेक न्यूज के खिलाफ मुहिम को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पूरा समर्थन दिया है। एनयूजे इंडिया से संबद्ध तेलगांना जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के चौथे द्विवार्षिक अधिवेशन में बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि पत्रकारों को समाचारों के जरिए जनता के सामने सच लाना चाहिए। फेक न्यूज से समाज पर विपरीत असर पड़ता है। हालांकि सत्य उजागर करने पर कभी -कभी कठिनाइयों को सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में डरने की आवश्यकता नहीं है।

बंडारू दत्तात्रेय ने टीजेए के उर्दू मुस्कान खिलवत में आयोजित अधिवेशन में पत्रकारों की समस्याओं का सुलझाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हितों के लिए वे लंबे समय से कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज मीडिया में न्यूज की बजाय व्यूज ज्यादा दिखाया जा रहा है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से संबद्ध एनयूजे इंडिया के अध्यक्ष ने कहा कि फेक न्यूज के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ा जाएगा। मीडिया की गिरती साख को बचाने पीत पत्रकारिता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है। एनयूजे उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने कहा कि सभी राज्यों में पत्रकारों को मान्यता दिलाने वाली समितियों का तुरंत गठन हो। उन्होंने पत्रकारों को रेल यात्रा में पहले मिलने वाली रियायत को तुरंत बहाल करने की मांग की।

राऊत का स्वागत

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत का गुरुवार को मुंबई के मातोश्री स्थित पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास पर पहुंचने पर स्वागत किया गया।

केरल में राज्यपाल को यूनिवर्सिटी के चांसलर पद से हटाया

तिरूअनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को केरल कलामंडलम डीम्ड-टू-विश्वविद्यालय के चांसलर के पद से हटा दिया गया है। वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने गुरुवार को केरल कलामंडलम डीम्ड विश्वविद्यालय के नियमों में संशोधन कर दिया, जिससे राज्यपाल को कुलाधिपति पद से हटाया जा सके और अब इस पद पर कला एवं संस्कृति क्षेत्र के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। केरल सरकार ने कहा था कि वह नहीं चाहती है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान राज्य में विश्वविद्यालयों के शीर्ष पद पर रहें। पिनराई विजयन नीत केरल सरकार ने कला और संस्कृति संबंधी डीम्ड विश्वविद्यालय के नियमों में संशोधन के लिए आदेश जारी किया।

शराब पीकर घंटों तक सोता रहा 24 हाथियों का झुंड

ढोल पीटकर उठाया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां के एक जंगल में महुआ से बनी शराब पीकर 24 हाथियों का एक झुंड घंटों तक गहरी नींद सोता रहा। इसके बाद में वन विभाग के कर्मचारियों ने ढोल पीटकर उन्हें उठाया और फिर हाथियों का झुंड जंगल में चला गया।

यह मामला तब सामने आया जब पास गांव के रहने वाले लोग शराब बनाने जंगल में पहुंचे थे। उन लोगों ने देखा कि हाथियों का झुंड बड़े बर्तनों में रखे गए महुआ के फलों से भरे पानी को पी गया था। हाथियों ने बर्तनों को भी तोड़ दिया था। क्योंझर जिले के शिलीपाड़ा काजू जंगल के पास रहने वाले ग्रामीणों ने सुबह छह बजे देखा कि झुंड में 24 हाथी थे, जो कि किण्वन का पानी पीकर नशे में हो गए थे और गहरी नींद में सो रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने हाथियों के झुंड को जगाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं उठे। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची वन की टीम ने हाथियों को जगाने ढोल पीटा, जिसके बाद उनकी नींद खुली और वो जंगल के अंदर चले गए। हालांकि, अधिकारियों को इस बात की जानकारी है कि किण्वित महुआ खाने या फिर उसका पानी पीने से हाथियों को नशा हुआ था या नहीं। उनका मानना है कि हाथियों का झुंड आराम कर रहा था। दूसरी ओर ग्रामीण हाथियों के नशे में होने की बात पर अड़े रहे।

कृषि मंत्री ने रबी उत्पादकता गोष्ठी का किया शुभारंभ

प्रयागराज (ब्यूरो)। कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में प्रयागराज, विंध्याचल, वाराणसी एवं चित्रकूट मंडल की संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादकता समीक्षा गोष्ठी का आयोजन इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के प्रेक्षागृह में किया गया। गोष्ठी में कृषि मंत्री, उप्र सरकार मुख्य अतिथि थे। समीक्षा गोष्ठी में संबंधित विभागों के शासन स्तर के सचिव कृषि, निदेशक, कृषि, उद्यान, पशुपालनसहित चारों मंडलों के मंडलायुक्त, समस्त जिलाधिकारी, समस्त मुख्य विकास अधिकारी, मुख्यालय स्तर से निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा तथा कृषि एवं संवर्गीय विभागों के मंडलीय/जनपदीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। विनोद कुमार, संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मंडल/उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री एवं कृषि उत्पादन आयुक्त/अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उनके द्वारा गोष्ठी में रबी के लिए तैयारी तथा मंडलों में तैयार की गयी रणनीति की समीक्षा के साथ ही जनपदों के किसानों से फीडबैक लिया गया।

सियासत

मैनपुरी उपचुनाव : समाजवादी पार्टी ने रोचक बनाया मुकाबला

डिंपल को टिकट देकर खेला इमोशनल कार्ड

मैनपुरी, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी संसदीय सीट के उपचुनाव के लिए डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाकर के इमोशनल कार्ड खेला है। इस बात को हर कोई भली भांति जानता है कि मैनपुरी संसदीय सीट पर एक लंबे अरसे से समाजवादी परिवार का कब्जा रहा है। मुलायम सिंह यादव का ही जलवा था कि भारतीय जनता पार्टी तमाम कोशिशों के बाद भी आज तक इस सीट पर कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। मैनपुरी सपा का वह मजबूत किला है जहां उम्मीदवार कोई भी उतारा गया हो, लेकिन जीत हमेशा नेता जी की होती रही।

अब डिंपल यादव को समाजवादी पार्टी ने नेताजी के उत्तराधिकारी के रूप में उम्मीदवार बनाकर जनता के समक्ष पेश कर दिया है। अब जनता की जिम्मेदारी है कि वह नेता जी की तरह डिंपल यादव को जीत दिलाकर संसद की दहलीज तक पहुंचाएं। सैफई के प्रधान रामफल बाल्मीकि बताते हैं कि नेता जी की बहू को संसद तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उन्हें उम्मीद है कि जैसे नेता जी मैनपुरी की जनता का ख्याल रखते थे, ठीक उसी तरह से डिंपल भी मैनपुरी की जनता का ख्याल रखेगी।

सपा में उत्साह

बेशक भाजपा इस बात का दावा करती हो कि डिंपल यादव परिवारवाद की परंपरा को आगे बढ़ा रही है, लेकिन सपा ऐसा नहीं मानती। सपा का कहना है कि डिंपल यादव के रूप में मैनपुरी की जनता को नेताजी मुलायम सिंह यादव का असल उत्तराधिकारी मिलने जा रहा है। सपा के स्थानीय नेता ऐसा मानकर चल रहे हैं कि टिकट देना पार्टी का काम होता है, लेकिन जनता वोट देकर कामयाबी दिलाने का काम करती है। सपा के किशनी विधायक इंजीनियर बृजेश कठेरिया बताते हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिंपल यादव को टिकट देकर के बहुत सही निर्णय लिया है।

पहले दिन ही एक्शन मे दिखे नए जीएम एनसीआर

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक सतीश कुमार कामकाज संभालते ही एक्शन में आ गए हैं। प्रयागराज आगमन के पहले दिन ही दिन देर रात 10.30 बजे प्रयागराज जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान श्री कुमार ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लेने के साथ ही यात्रियों एवं रेल कर्मियों से वार्ता की। उधर, एनसीआर मुख्यालय में बुधवार दिनभर बैठकों का दौर चला। महाप्रबंधक ने परियोजनाओं की समीक्षा की। मैकेनिकल विभाग के कार्यों को भी परखा।

सतीश कुमार का औचक निरीक्षण करने का उद्देश्य स्टेशन की वास्तविक स्थिति में यात्रियों को उपलब्ध व्यवस्थाओं को मूल रूप में परखना था। इस निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को विक्रय के लिए भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)।** इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।